संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 289
पृष्ठ 8
गुरूवार
09 जुलाई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– ग्रेसी से हैं परेशान तो अपनाएं...

विचार– चीन का नया जनजातीय कानून

खेल– क्या संजू सैमसन के लिए टीम इंडिया...

सीएम योगी ने कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा का किया शुभारंभ,बोले–

हमारा दायित्व है कि विद्यालय अच्छा हो, स्वच्छ हो

वाराणसी,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को वाराणसी से प्रदेश के शिक्षकों व उनके परिजनों को मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा योजना का तोहफा दिया। पंडित दीनदयाल हस्तकला संकुल बड़ालालपुर में सुबह 10 बजे से आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने इसका शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के लागू होने के साथ ही प्रदेश के लगभग 12 लाख शिक्षकों और उनके परिवारों को पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। योजना में नियमित शिक्षकों के साथ शिक्षामित्र, अनुदेशक, रसोइया और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के पात्र कार्मिकों को भी शामिल किया गया है। सीएम योगी ने योजना का शुभारंभ करने के साथ ही माध्यममिक शिक्षा और बेसिक शिक्षा के सभी शिक्षकों और बच्चों

को हृदय से बधाई दी। कहा कि तीन योजनाएं हैं, कैशलेस चिकित्सा, डिबीटी, सामाजिक सुरक्षा की गारंटी। आपने मांगा नहीं लेकिन आपने स्वास्थ्य की चिंता हमें है। इसमें 12 लाख शिक्षक लाभान्वित हो रहे हैं, सबको बधाई देते हुए आपका अभिनंदन भी करता हूं। बेसिक शिक्षा परिषद के बच्चों को जो धनराशि हस्तांतरित की जा रही है प्रत्येक छात्र 1200 रुपये दिया जा रहा है। हमारा दायित्व है कि विद्यालय अच्छा हो, स्वच्छ हो, आंतरिक अनुशासन बनाए। छात्र पूरी यूनिफॉर्म में आएं, इसके लिए अभिभावकों से बात करें। सीएम ने कहा कि कल बारिश हुई तो बच्चे उसी में नहा रहे थे, अभिभावकों को उन्हें समझाना चाहिए, बच्चे अबोध हैं। हम बताएं कि तीन दिन एक और तीन दिन दूसरा यूनिफार्म पहनो, घर के कपड़े दूसरे हों। यह बच्चों को बताना हमारा दायित्व है, यह उनके लिए प्रेरणा होगी। आज 1320 करोड़ रुपये भेजे गए। नागरिक के अलावा शिक्षकों का दायित्व है कि हर बच्चे को स्कूल पहुंचाएं। निपुण भारत के तहत हर बच्चे योग्य बनाए जाएं, ये पीएम मोदी का विजन है। सीएम ने कहा कि आज एक एमओयू स्टेट बैंक के साथ किया। इसमें सामाजिक सुरक्षा कि गारंटी है, अस्थायी शिक्षक जिनका वेतन 10,000 है को 10 लाख का रिस्क कवर दिया जा रहा है। इसमें पढ़ाई, विवाह, एक्सीडेंटल, फिजिकल डैमेज क्लेम कवर होगा। पहले लोग मानते थे कि शिक्षक अमर हो गया है, ऐसी सुविधा देश में सबसे पहले यूपी में लागू हो रही है। कैशलेस सुविधा के बदले में सरकार आपसे कुछ नहीं चाहती, सिर्फ एक चीज मांगती है कि बच्चों कि पढ़ाई पर ध्यान दें। स्कूल में स्वछता, पढ़ाई, और बच्चों के विकास पर काम हो। अरुणाचल प्रदेश में हर व्यक्ति हिंदी बोलता है, वहां के सांसद ने बताया कि जितने शिक्षक हमारे यहां हैं सब यूपी से हैं। एमपी में भी भारी संख्या में लोग यूपी से हैं। शिक्षा समाज कि आधारशीला है, इसके बगैर कुछ भी हो पाना संभव है। सीएम योगी ने कहा कि यूपी बीमारू राज्य, आठ साल पहले लोग बाहर राज्यों में भटकते थे। आज ऐसा नहीं है, आज लोग पहचान के संकट से नहीं गुजरते। शिक्षा के उन्नयन हुआ तो प्रदेश के विकास ने रफ्तार पकड़ ली। पहले माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परिक्षा तीन महीना चलती थी जिसका कोई मतलब नहीं था, मैं शिक्षकों को धन्यवाद दूंगा, जिनकी बदौलत आज 15 दिन में परीक्षा हो ही रही है, परिणाम भी घोषित हो रहे हैं। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि शिक्षक सिर्फ पढ़ाता ही नहीं है बल्की राष्ट्र का निर्माण करता है। लंबे समय से शिक्षक परिवार की मांग थी कि कैशलेस चिकित्सा सुविधा मिले, यह मांग आज पूरी होने जा रही है। यह केवल सुविधा ही नहीं बल्की सभी परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का काम सरकार कर रही है।

मोदी इंडोनेशिया के सबसे बड़े प्रम्बानन हिंदू मंदिर पहुंचे, बोले

हमेशा शिव से जुड़ने का सौभाग्य मिला

जकार्ता,एजेंसी। पीएम मोदी बुधवार को इंडोनेशिया के योग्याकार्ता स्थित देश के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन पहुंचे। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भी उनके साथ गए। दोनों ने मंदिर के संरक्षण–जीर्णोद्धार परियोजना का उद्घाटन किया। पीएम ने मंदिर में दर्शन भी किए। उन्होंने मंदिर परिसर में अपने संबोधन में कहा– मुझे किसी न किसी रूप में हमेशा भगवान शिव से जुड़ने का मौका मिला है। सोमनाथ, काशी विश्वनाथ, केदारनाथ धाम और उज्जैन के महाकाल मंदिर के बाद प्रम्बानन मंदिर के विकास का मौका मिलना मेरा सौभाग्य है। पीएम मोदी के इंडोनेशिया से ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न के लिए रवाना हो गए हैं। वे 8 से 10 जुलाई तक ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रहेंगे। उन्हें पांच इंडोनेशियाई फाइटर जेट ने एस्कॉर्ट किया। इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर योग्याकार्ता के पास स्थित प्रम्बानन मंदिर दक्षिण–पूर्व एशिया का दूसरा सबसे बड़ा हिंदू मंदिर

है। पहले स्थान पर कंबोडिया का अंगकोर वाट है। प्रम्बानन मंदिर एक हजार साल पुराना है। इसका परिसर कभी करीब 240 मंदिरों में फैला था। यहां त्रिमूर्ति– भगवान शिव, विष्णु और ब्रह्मा के तीन मुख्य मंदिर हैं। इनमें 47 मीटर ऊंचा शिव मंदिर सबसे बड़ा है। मंदिर की दीवारों पर रामायण और अन्य हिंदू ग्रंथों की कहानियां उकेरी गई हैं। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया के किसी भी कोने में चले जाइए, वहां भारत की सांस्कृतिक विरासत की झलक जरूर मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रम्बानन दक्षिण–पूर्व एशिया में भारतीय विरासत की दूसरी सबसे बड़ी पहचान है। यहां भगवान शिव, मां दुर्गा और भगवान गणेश की प्रतिमाएं हैं और सदियों से पूजा होती आ रही है। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति प्रबोवो ने उनसे 2029 तक मंदिर के जीर्णोद्धार का काम पूरा करने का वादा लिया है और वह भी वादा करते हैं कि जीर्णोद्धार पूरा होने के बाद दोबारा इंडोनेशिया आकर इसका जश्न मनाएंगे। उन्होंने इंडोनेशिया के लोगों और शासकों का इस सांस्कृतिक विरासत को सहेजकर रखने के लिए आभार भी जताया।

शहर समता विचारमंच द्वारा ऑनलाइन काव्य गोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न

प्रयागराज। शहर समता विचार के तत्वावधान में आयोजित गूगल मीट द्वारा काव्य गोष्ठी रचना सक्सेना की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी में सीमा वर्णिका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति शशि जायसवाल द्वारा। काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। इस काव्य गोष्ठी में अफ़रोज़अजीज, सुनीता गुप्ता, शोभा त्रिपाठी, साधना खरे, रेणुका पटेल, मनोरमा श्रीवास्तव, पूनम पांडे , संगीता बनाफर रचनाकार बहनों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। धन्यवाद ज्ञापन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

नीट के बाद अब यूजीसी–नेट पर उठे सवाल, राहुल गांधी बोले–

छात्रों की गूंज ही भारत में शिक्षा क्रांति लेकर आएगी

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग–राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी–नेट) में कथित गड़बड़ियों को लेकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कई बार 'घोटाले' होने के बावजूद सरकार आंखें मूंदे बैठी है और आराम से सो रही है। उसके लिए लाखों छात्रों की वर्षों की मेहनत की कोई कीमत नहीं है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, पूरे देश को पता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से किसी जवाबदेही या कार्रवाई की उम्मीद करना बेकार है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच पर एक मीडिया रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट साझा किया। इस रिपोर्ट में दावा किया गया था कि हरियाणा के रोहतक में छात्र नेताओं ने जून 2026 में

यूजीसी–नेट को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। यह परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने आयोजित कराई थी।

राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, पिछले सप्ताह हुई यूजीसी–नेट को लेकर सामने आए गंभीर आरोप बेहद चौंकाने वाले हैं। नीट प्रश्न पत्र लीक के कुछ हफ्तों बाद अब खबरें सामने आ रही हैं कि यूजीसी–नेट से ठीक पहले 100 पन्नों का एक पीडीएफ वितरित किया गया था।

उन्होंने कहा कि यह पीडीएफ प्रश्न पत्र तैयार करने से जुड़ा था। यह सिर्फ राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के पास होता है। राहुल गांधी ने दावा किया कि इस पीडीएफ में दिए गए करीब 90 सवाल असली समाजशास्त्र के प्रश्न पत्र से मिल रहे थे।

राहुल गांधी ने आगे आरोप लगाया कि बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में प्रश्न पत्र को 2.25 लाख रुपये में बेचा जा रहा था। उन्होंने यह भी दावा किया कि इसी गिरोह ने सीएसआईआर–नेट, एचटीईटी और एडीए जैसी आने वाली परीक्षाओं के प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने का दावा किया था।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा, नीट और नेट में बार–बार घोटालों के बाद भी मोदी सरकार आंखें मूंदे बैठी है और आराम से सो रही है, क्योंकि लाखों छात्रों की वर्षों की मेहनत की उनके लिए कोई कीमत नहीं है, जो रात–दिन मेहनत करते हैं। एनटीए की ओर से राहुल गांधी के आरोपों पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। राहुल गांधी ने कहा कि कोई जांच नहीं होगी और छात्रों को न्याय नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि बदलाव का एकमात्र रास्ता लोगों की सामूहिक आवाज है। पूरे देश में छात्रों की गूंज ही भारत में शिक्षा क्रांति लेकर आएगी। उन्होंने कहा कि छात्रों की यह आवाज बदलाव लाएगी।

बंगाल बरुईपुर केस: सीन रिक्रिएशन के दौरान हथियार छीनकर भाग रहा था मुख्य आरोपी, पुलिस की जवाबी फायरिंग में मौत

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के बरुईपुर में नाबालिग के साथ कथित सामूहिक बलात्कार और हत्या के मामले में मुख्य आरोपी प्रभास मंडल घटनास्थल से भागने की कोशिश करने के दौरान पुलिस की गोली से मारा गया। पुलिस के अनुसार, इस मामले में सबसे पहले गिरफ्तार किये गये मंडल को जांच के लिए बुधवार देर रात करीब 12.45 बजे घटनाक्रम को समझने के लिए सूर्यपुर में घटनास्थल पर ले जाया गया था। पुलिस ने दावा किया कि इस प्रक्रिया के दौरान मंडल ने कथित तौर पर पुलिसकर्मियों से एक हथियार छीन लिया और भागने का प्रयास किया। अधिकारियों ने उसे रोकने की कोशिश की, जिसके बाद उसने कथित तौर पर पुलिस पर गोलीबारी कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिससे आरोपी गंभीर रूप से घायल हो गया। मंडल को तुरंत बरुईपुर उप–मंडल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए भारी संख्या में केंद्रीय बलों को अस्पताल में तैनात किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि घटनाक्रम को दोहराना (सीन रिक्रिएशन) इसलिए जरूरी समझा गया क्योंकि आरोपी पूछताछ के दौरान कथित तौर पर गुमराह करने वाले और असंगत बयान दे रहा था और जांचकर्ताओं का सहयोग नहीं कर रहा था। नाबालिग बालिका का शव रविवार सुबह सूर्यपुर इलाके के एक तालाब से बरामद किया गया था। पुलिस को आशंका है कि हत्या से पहले उसका यौन उत्पीड़न किया गया था। इस घटना से पूरे इलाके में भारी आक्रोश फैल गया और निवासियों ने इसके लिए जिम्मेदार लोगों की तत्काल गिरफ्तारी और दोषियों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की। मंडल इस मामले में गिरफ्तार होने वाला पहला आरोपी था, जिसे स्थानीय निवासियों ने कथित तौर पर पकड़कर पुलिस के हवाले किया था। जांचकर्ताओं ने बाद में इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें पीड़ित बालिका शनिवार शाम को लापता होने से ठीक पहले कथित तौर पर मंडल के साथ दिखाई दे रही थी। यह फुटेज उसकी गिरफ्तारी का एक मुख्य सबूत बना। इस बीच, चवसपबम ने मामले में एक और संदिग्ध को गिरफ्तार किया है, जिससे कुल गिरफ्तारियों की संख्या चार हो गयी है। कबीर मोल्ला के रूप में पहचाने गये इस नये आरोपी को विशेष कार्य बल, बरुईपुर उप–मंडल अभियान समूह और जिला पुलिस के एक संयुक्त अभियान के दौरान उत्तर 24 परगना के बसीरहाट इलाके से पकड़ा गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मोल्ला घटना के बाद से ही फरार चल रहा था। सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर संयुक्त टीम ने उसका पता लगाया और मंगलवार देर रात उसे गिरफ्तार कर लिया। उसे पूछताछ के लिए बरुईपुर लाया गया है और जांचकर्ता अपराध में उसकी कथित भूमिका की जांच कर रहे हैं। मोल्ला की गिरफ्तारी से पहले तीन लोगों प्रभास मंडल, आनंद सरदार और दिवाकर सरदार को इस मामले के संबंध में पहले ही हिरासत में लिया जा चुका था। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की हाई लेवल मीटिंग और श्शून्य सहनशीलताश का रुखयह घटनाक्रम मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के मंगलवार को जांच की समीक्षा के लिए बरुईपुर का दौरा करने के कुछ घंटों बाद हुआ।

खनन प्रभावित क्षेत्र के स्कूलों की बदलेगी सूरत, फर्नीचर खरीद को मंजूरी

प्रयागराज। खनन प्रभावित क्षेत्र के जूनियर व प्राथमिक विद्यालयों की सूरत बदलने जा रही है। सभी विद्यालयों में बच्चों के बैठने के लिए फर्नीचर की व्यवस्था की जाएगी। जिला खनिज फाउंडेशन न्यास, प्रयागराज के शासी परिषद एवं प्रबंध समिति ने फर्नीचर खरीद को मंजूरी दे दी है। वित्तीय वर्ष 2026–27 में खनन क्षेत्र के विकास के लिए 15 करोड़ रुपये का खर्च प्रस्तावित है। कलक्ट्रेट के संगम सभागार में फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई समिति की बैठक में कहा गया कि जिला खनिज फाउंडेशन न्यास की धनराशि का उपयोग खनन प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, स्वच्छता के विकास पर किया जाएगा। सभी जनप्रतिनिधियों को इन क्षेत्रों के विकास के लिए प्रस्ताव तीन दिनों में उपलब्ध कराने के लिए कहा गया ताकि उन्हें भी कार्ययोजना में शामिल किया जा सके।

यह भी तय हुआ कि विद्यालयों में फर्नीचर की व्यवस्था होने के बाद शौचालय, पंखा, वाटर कूलर, स्मार्ट क्लास, दिव्यांग बच्चों के लिए ब्रेललिपि व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं एवं खनन वाहनों से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत कराई जाएगी। सांसद व सदस्यों ने अवैध खनन पर रोक लगाने के निर्देश दिए। बैठक में विधायक कोरांव राजमणि कोल, विधायक फूलपुर दीपक पटेल, विधायक करछना पीयूष रंजन निषाद, सांसद इलाहाबाद के प्रतिनिधि विनय कुशवाहा, विधायक शहर पश्चिम के प्रतिनिधि प्रमोद कुमार, मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, एडीएम प्रशासन उपमा पांडेय, वरिष्ठ खनन अधिकारी केके राय, बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार मौजूद रहे। वरिष्ठ खनन अधिकारी केके राय ने बताया कि पांच किमी की परिधि में आने वाले राजस्व ग्रामों को अप्रत्यक्ष रूप से खनन प्रभावित क्षेत्र में शामिल किए जाने का प्रावधान है। जिला खनिज फाउंडेशन न्यास की धनराशि 2026–27 से 2030–31 तक प्रति वर्ष 70रू30 के अनुपात में खर्च की जाएगी। खनन से प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित गांवों में 70 फीसदी व अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित गांवों में 30 फीसदी धनराशि खर्च होगी। प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित गांवों में खर्च की निर्धारित राशि का 70 फीसदी हिस्सा उच्च प्राथमिकता वाले कार्यों पर और 30 फीसदी अन्य प्राथमिकता वाले कार्यों पर व्यय होगा।

बरामदे में खेल रहे मासूम को जहरीले जीव ने काटा, अस्पताल ले जाते समय मौत

प्रयागराज। बहरिया थाना क्षेत्र के सराय गंभीर दास उर्फ बीबीपुर गांव में मंगलवार शाम करीब आठ बजे घर के बरामदे में खेल रहे पांच वर्षीय मासूम को किसी जहरीले जंतु ने काट लिया। बहरिया थाना क्षेत्र के सराय गंभीर दास उर्फ बीबीपुर गांव में मंगलवार शाम करीब आठ बजे घर के बरामदे में खेल रहे पांच वर्षीय मासूम को किसी जहरीले जंतु ने काट लिया। अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे पहले उपचार के लिए दोनैया स्थित पटेल नर्सिंग होम ले गए, जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर बताते हुए प्रयागराज रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन बच्चे को स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल, प्रयागराज लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने बताया कि बच्चे की मौत किसी जहरीले जंतु के काटने से हुई है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि पूरे गांव में शोक का माहौल है। नोखेलाल भारतीय का पांच वर्षीय पुत्र राज सरोज (5) मंगलवार शाम करीब आठ बजे अपने घर के बरामदे में खेल रहा था। इसी दौरान उसे किसी जहरीले जीव ने काट लिया। कुछ ही देर में उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन आनन–फानन में उसे दोनैया स्थित पटेल नर्सिंग होम लेकर पहुंचे, लेकिन हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने प्रयागराज रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उसे स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

मासूम की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मां का रो–रोकर बुरा हाल है, जबकि पिता नोखेलाल भारतीय और अन्य परिजन गहरे सदमे में हैं। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण पीड़ित परिवार के घर पहुंचे। सराय गंभीर दास उर्फ बिबीपुर गांव में पूरे दिन शोक का माहौल बना रहा। मासूम की असमय मौत से गांव में मातम पसर गया। बरसात के मौसम में जहरीले जीवों के निकलने से ग्रामीणों में भी दहशत व्याप्त है।

एमआरआई मशीन में घुसे चूहे, जांच ठप

प्रयागराज। स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल की एमआरआई मशीन में सोमवार शाम को दो चूहों ने सेंधमारी कर दी। मशीन खराब होने से मंगलवार को एक भी जांच नहीं हो सकी। मरीजों को निराश होकर लौटना पड़ा। अब उन्हें नई तारीख मिलने तक जांच के लिए इंतजार करना होगा। मशीन में खराबी की जानकारी मिलते ही इंजीनियर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद मंगलवार दोपहर करीब दो बजे चूहों को पैनल से निकाला गया। शाम चार बजे दोबारा मशीन शुरू हो सकी। कर्मचारियों ने बताया कि संस्थान में बार–बार बिजली कटौती हो रही थी। इस वजह से मशीन गरम होने लगी। कुछ देर बाद बिजली पूरी तरह चली गई। माना गया कि बिजली की समस्या से मशीन गरम हो रही है। जब बिजली आई, तब भी मशीन नहीं चली। इस पर फिर से देखा गया तो दो मरे चूहे उसमें पड़े थे। उन्हें निकालने के बाद मशीन चालू हो सकी। एसआरएन अस्पताल में एमआरआई की सिर्फ एक मशीन है। इसे पुरानी बिल्डिंग में लगाया गया है। यहां रोजाना करीब 20 मरीजों की एमआरआई की जाती है जबकि जांच कराने वालों की संख्या दोगुनी होती है। ऐसे में मरीजों को छह से सात महीने बाद की तिथि दी जाती है।

वर्जनबार–बार लाइट कटने की वजह से मशीन गरम हो रही थी। इस वजह से एमआरआई होने में परेशानी आ रही थी। पैनल में चूहे घुसने की जानकारी नहीं है। शाम चार बजे एमआरआई मशीन को ठीक करके दोबारा शुरू किया गया। –डॉ. जितेंद्र शुक्ला, अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक, एसआरएन अस्पताल

एसआरएन अस्पताल में सोमवार शाम चार बजे पेड़ टूटकर 440 केवीए लाइन पर गिर गया। रात करीब दो बजे के बाद आपूर्ति शुरू की गई। मगर ट्रिपिंग की समस्या मंगलवार को दिनभर बनी रही। इससे उमस में मरीजों को परेशान होना पड़ा।

इम्प्रूवमेंट और कंपार्टमेंट परीक्षा की कॉपियों का होगा ऑनलाइन मूल्यांकन

प्रयागराज। यूपी बोर्ड–2026 की 10वीं और 12वीं की इम्प्रूवमेंट और कंपार्टमेंट परीक्षा 28 जुलाई को होनी है। 42,078 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। परीक्षा के बाद बोर्ड कॉपियों का ऑनलाइन मूल्यांकन कराने की तैयारी में है। यह पहला मौका होगा जब कॉपियों की जांच ऑनलाइन माध्यम से होगी। इस तकनीक के सफल होने पर सत्र 2027 की बोर्ड परीक्षा की कॉपियों की जांच डिजिटल माध्यम से हो सकती है। बोर्ड के मुताबिक, इस व्यवस्था से मूल्यांकन पारदर्शी होगा। पायलट प्रोजेक्ट के तहत बीते सत्र में मेरठ, बरेली, प्रयागराज, वाराणसी और गोरखपुर के मूल्यांकन केंद्रों से छात्र–छात्राओं के प्राप्तांकों को प्रतिदिन सीधे परिषद के पोर्टल पर ऑनलाइन अपलोड किया गया था।

हाईकोर्ट की टिप्पणी: कोई भी सोशल मीडिया मंच भारतीय कानून से ऊपर नहीं, यह है पूरा मामला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि कोई भी सोशल मीडिया मंच भारतीय कानून और जांच एजेंसियों के प्रति जवाबदेही से नहीं बच सकता है। कानून का दायरा इतना व्यापक है कि किसी नियम का उल्लंघन होने पर दोषियों को न्याय के कठघरे तक ला सकता है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि कोई भी सोशल मीडिया मंच भारतीय कानून और जांच एजेंसियों के प्रति जवाबदेही से नहीं बच सकता है। कानून का दायरा इतना व्यापक है कि किसी नियम का उल्लंघन होने पर दोषियों को न्याय के कठघरे तक ला सकता है। यह तल्ख टिप्पणी न्यायमूर्ति अजय भनोट और न्यायमूर्ति दिवेश चंद्र सामंत की खंडपीठ ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के तहत दर्ज मामले में एक्स (पूर्व में ट्विटर) के अधिकारियों के जांच में सहयोग नहीं करने पर की। एक व्यक्ति ने गाजियाबाद के इंद्रापुरम थाने में दर्ज मामले की निष्पक्ष और जल्द जांच पूरी कराने की मांग करते हुए याचिका दाखिल की थी।

जांच अधिकारी ने हलफनामे के माध्यम से बताया कि एक्स ने उस खाते का यूआरएल, पहचान संबंधी विवरण, आईपी पता उपलब्ध नहीं कराया जिससे याची के कथित अश्लील वीडियो और तस्वीरें साझा की गई थीं। इससे जांच आगे नहीं बढ़ सकी और अतिरिक्त समय की आवश्यकता पड़ी।

कोर्ट ने कहा कि सोशल मीडिया मंच के अधिकारियों का पुलिस जांच में सहयोग न करना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। प्रथम दृष्टया यह हलफनामा पुलिस व्यवस्था की विफलता स्वीकार करने जैसा प्रतीत होता है। एक ओर एक्स के अधिकारियों ने जांच में बाधा उत्पन्न की, वहीं दूसरी ओर पुलिस भी अपने वैधानिक दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन नहीं कर सकी।

जांच की धीमी प्रगति पर असंतोष जताते हुए कोर्ट ने गाजियाबाद के पुलिस आयुक्त को अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है। पूछा है कि एक्स के अधिकारियों का सहयोग सुनिश्चित करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए। कोर्ट ने आदेश की एक प्रति उत्तर प्रदेश के गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक को भेजने का आदेश दिया। अब 12 अगस्त को सुनवाई होगी।

अवैध प्लॉटिंग में किसान यूनियन के अनुज सिंह का नाम आया सामने, चला बुलडोजर

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने मंगलवार को 53 बीघे जमीन पर अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त करा दी। प्लॉटिंग करने वालों में भारतीय किसान यूनियन (टिकैट गुट) के प्रदेश अध्यक्ष युवा अनुज सिंह गौसपुर, शाह उर्फ पीपलगांव में अवैध प्लॉटिंग पर कार्रवाई की गई।

असरावेकला में अनुज सिंह, शिवांश श्रीवास्तव व रूप द्विवेदी की ओर से 20 बीघे जमीन, रावतपुर में अनुज सिंह की ओर से सात बीघे जमीन और शाह उर्फ पीपलगांव में अनुज सिंह, मो. शकील व मो. शाहबाज सईद की ओर से दो बीघे जमीन पर की गई अवैध प्लॉटिंग को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया गया।

इसके अलावा असरावेकला में मधुकर मिश्रा की ओर से आठ बीघे जमीन, कटहुला गौसपुर में पप्पू लाल, मनोज पाल व विजय पाल की ओर से चार बीघे जमीन और शाह उर्फ पीपलगांव में सुशील यादव, मो. मुस्लिम, फरमूद मुल्ला, मकबूल अहमद, अनस, वदूद अहमद, लल्लू उर्फ रामनाथ, मेट्रो इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमेटड, सुरेंद्र द्विवेदी की ओर से 12 बीघे जमीन पर की गई अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त किया गया।

पीडीए ने जिन गांवों में कार्रवाई की, उन गांवों की जमीन नई टाउनशिप 'एयरोसिटी' के लिए अधिग्रहीत की जानी है। इन गांवों में माफिया अतीक अहमद और उसके गुर्गों ने भी बड़े पैमाने पर जमीन पर कब्जा किया था, जिसे खाली कराके उसे कुर्क करते हुए राज्य में निहित किया गया है। प्रशासन ने भी हाल ही में जिन 18 भूमाफिया को चिह्नित किया है, उनमें कई भूमाफिया इन्हीं इलाकों में अवैध कब्जे के लिए चिह्नित किए गए हैं।

कुछ लोग किसान यूनियन के नाम का गलत इस्तेमाल कर जमीन पर अवैध प्लॉटिंग कर रहे हैं। पीडीए की ओर से अवैध कब्जा व अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई जारी रहेगी। – ऋषि राज, उपाध्यक्ष, प्रयागराज विकास प्राधिकरण

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन (टिकैट गुट) के प्रदेश अध्यक्ष युवा अनुज सिंह का कहना है कि प्रशासन जितनी कार्रवाई करेगा, उनकी आवाज उतनी ही मुखर होगी। अनुज सिंह ने दावा किया है कि जहां कार्रवाई हुई है, उनमें से किसी भी जमीन की खतौनी में उनका नाम नहीं है।

अनुज सिंह ने कहा कि इन गांवों का सर्किल रेट 5300 से घटाकर 2000 हजार रुपये कर दिया गया। इससे जमीन अधिग्रहण में किसानों को नुकसान होगा। वह इसी मुद्दे पर आंदोलन कर रहे हैं।

मार्च में डीएम ने वार्ता में आश्वस्त किया था कि सर्किल रेट पुनरीक्षत किया जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अनुज सिंह ने बताया कि कुछ दिनों पहले विरोध स्वरूप जल सत्याग्रह किया गया तो पुलिस ने उनके खिलाफ 10 एफआईआर दर्ज कर ली। इस तरह की कार्रवाई से वह डरने और पीछे हटने वाले नहीं हैं, किसानों का आंदोलन अब और तेज होगा।

21 जुलाई को होगी किसान सम्मान महापंचायत

भाकियू युवा (टिकैत गुट) के प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह ने लोगों से 21 जुलाई को प्रयागराज में होने वाली 'घेरा डालो–डेरा डालो' किसान सम्मान महापंचायत में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत के नेतृत्व में आयोजित इस महापंचायत में किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों और दमनकारी नीतियों के विरोध को लेकर रणनीति बनाई जाएगी।

किसी फर्म को अनिश्चितकाल के लिए ब्लैकलिस्ट करना गलत, खाद्य निरीक्षक काआदेश रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी फर्म या ठेकेदार को अनिश्चितकाल के लिए ब्लैकलिस्ट नहीं किया जा सकता। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ल की खंडपीठ ने भदोही स्थित मिश्रा राइस मिल को अनिश्चितकालीन अवधि के लिए काली सूची में डालने के आदेश को रद्द कर दिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी फर्म या ठेकेदार को अनिश्चितकाल के लिए ब्लैकलिस्ट नहीं किया जा सकता। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ल की खंडपीठ ने भदोही स्थित मिश्रा राइस मिल को अनिश्चितकालीन अवधि के लिए काली सूची में डालने के आदेश को रद्द कर दिया।

प्रोपराइटर अनिल मिश्रा की याचिका के मुताबिक मिर्जापुर के क्षेत्रीय खाद्य नियंत्रक (विंध्याचल मंडल) ने 25 अगस्त 2023 को आदेश जारी कर मिश्रा राइस मिल को धानक्रय और उसकी प्रक्रिया से अनिश्चितकाल के लिए प्रतिबंधित कर दिया था। यह कार्रवाई भदोही में दर्ज एक प्राथमिकी के आधार पर की गई थी। आरोप था कि संतोष कुमार शुक्ला नामक व्यक्ति ने जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी की लॉगिन आईडी और पासवर्ड का दुरुपयोग कर कई किसानों की पहचान फर्जी तरीके से सत्यापित की थी। मामले में याची फर्म का नाम भी सामने आया। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि अनिश्चितकालीन ब्लैकलिस्टिंग पूरी तरह अवैध है।

कारण बताओ नोटिस पहले से ही पूर्वाग्रहग्रस्त मानसिकता से जारी किया गया था। आदेश में कोई ठोस कारण नहीं दिए गए और पूरा निर्णय केवल आरोप की गंभीरता के आधार पर लिया गया, जो किसी ठोस साक्ष्यों से समर्थित नहीं है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला दिया। कहा कि किसी भी ठेकेदार या व्यापारी को हमेशा के लिए ब्लैकलिस्ट करना एक असंगत और अत्यधिक दंड माना जाता है, जब तक कि बेहद गंभीर कदाचार सिद्ध न हो जाए। इसके साथ ही जब कारण–बताओ नोटिस में ही प्राधिकारी अपना निष्कर्ष पहले से तय कर लेता है तो बाद की पूरी प्रक्रिया एक खोखली औपचारिकता बनकर रह जाती है। कोर्ट ने खाद्य विभाग को स्वतंत्रता दी है कि वह चाहे तो कानून के अनुरूप नया कारण बताओ नोटिस जारी कर सकता है और नया आदेश पारित कर सकता है।

वार्षिक कैलेंडर में बालिकाओं के सशक्तीकरण पर जोर

प्रयागराज। बेसिक शिक्षा विभाग ने परिषदीय विद्यालयों में बालिकाओं के सर्वांगीण विकास और उन्हें सामाजिक रूप से जागरूक बनाने के उद्देश्य से मीना मंच का वार्षिक गतिविधि कैलेंडर जारी किया है। इसके तहत जुलाई से मार्च तक प्रत्येक माह विषयवार गतिविधियां होंगी। कैलेंडर के अनुसार, विद्यालयों में बालिकाओं के अधिकार, लैंगिक समानता, स्वास्थ्य व स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा का महत्व, बाल सुरक्षा, जीवन कौशल और नेतृत्व विकास जैसे विषयों पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित किए जाएंगे। इनमें गोष्ठी, पोस्टर प्रतियोगिता, भाषण, नाटक, रैली, शपथ ग्रहण, समूह चर्चा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल होंगी।

बहरिया में मक्के के खेत में टूटकर गिरा हाईटेंशन तार, करंट लगने से किशोर समेत की मौत

प्रयागराज। बहरिया थाना क्षेत्र के खालसा गांव में करंट लगने से एक किशोर समेत दो लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में हलचल मच गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई है।

खालसा गांव में हाईटेंशन तार टूटकर मक्के के खेत में गिर गया था। बहरिया थाना क्षेत्र के खालसा गांव में करंट लगने से एक किशोर समेत दो लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में हलचल मच गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई है। खालसा गांव में हाईटेंशन तार टूटकर मक्के के खेत में गिर गया था। करंट लगने से अर्पित (14) पुत्र सुरेंद्र कुमार और कमलेश कुमार (29) पुत्र सीताराम के रूप में हुई है। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। मामले की जानकारी पुलिस को दे दी गई है।

बरामदगी से घटना का रिश्ता जोड़े बिना दोषसिद्धि संभव नहीं, रिहाई का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 26 साल पुराने चर्चित हत्या के मामले में अलीगढ़ के ट्रायल कोर्ट के फैसले को पलटते हुए उम्रकैद पाए तीन दोषियों को बेगुनाह माना। कहा कि महज बरामदगी के आधार पर अपराध सिद्ध नहीं होता, जब तक घटना से उसका सीधा संबंध न हो। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 26 साल पुराने चर्चित हत्या के मामले में अलीगढ़ के ट्रायल कोर्ट के फैसले को पलटते हुए उम्रकैद पाए तीन दोषियों को बेगुनाह माना। कहा कि महज बरामदगी के आधार पर अपराध सिद्ध नहीं होता, जब तक घटना से उसका सीधा संबंध न हो।

यह फैसला न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने सुनाया है। कोर्ट ने पाया कि गवाहों ने दावा किया कि दो गोलियां चलीं जबकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में केवल एक का घाव मिला। कोर्ट ने इसे एक बड़ी विसंगति मानी। बरामद तमंचों की फॉरेंसिक रिपोर्ट में यह पुष्टि नहीं हो सकी कि इन्हीं हथियारों का इस्तेमाल वारदात में हुआ था। लिहाजा, कोर्ट ने इसे संदेहास्पद माना। मामला अकराबाद थाना क्षेत्र का है। 10 अगस्त 2004 की रात भगवान सिंह की सोते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले में मृतक के भाई पप्पू सिंह और मां कलावती को चश्मदीद गवाह बनाया गया था। ट्रायल कोर्ट ने जुगेंद्र सिंह, डिप्टी सिंह और रामवीर को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ तीनों ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की थी। कोर्ट ने गवाहों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाया। कहा कि रात में गहरी नींद से अचानक जागने के बाद आरोपियों की पहचान करने के गवाहों के दावे अविश्वसनीय हैं। कानून का यह स्थापित सिद्धांत है कि आपराधिक मामलों में संदेह कितना भी गहरा क्यों न हो, उसे ठोस सबूतों से साबित करना अनिवार्य है। मौजूदा मामले में अभियोजन इन अनिवार्यताओं को पूरा नहीं कर सका। अभियोजन मामले को संदेश से परे साबित करने में विफल रहा।

प्रेमिका से शादी के लिए टावर पर चढ़ा कोचिंग संचालक, तीन घंटे बाद उतरा

प्रयागराज। प्रेमिका से शादी के लिए एक कोचिंग संचालक मंगलवार सुबह हाईटेंशन टावर पर चढ़ गया। करीब तीन घंटे तक चले इस हाईवोल्टेज ड्रामे के बाद पुलिस के समझाने और शादी का भरोसा दिलाने पर युवक नीचे उतरा।

प्रेमिका से शादी के लिए एक कोचिंग संचालक मंगलवार सुबह हाईटेंशन टावर पर चढ़ गया। करीब तीन घंटे तक चले इस हाईवोल्टेज ड्रामे के बाद पुलिस के समझाने और शादी का भरोसा दिलाने पर युवक नीचे उतरा। पुलिस ने शांतिभंग में आरोपी का चालान कर दिया है।

थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी श्याम बाबू कोचिंग सेंटर चलाता है। कोचिंग में पढ़ने आने वाली एक छात्रा से उसका प्रेम संबंध हो गया। युवक उससे शादी करना चाहता था, लेकिन छात्रा के परिजनों ने रिश्ते से इन्कार कर दिया। इसी से नाराज होकर युवक मंगलवार सुबह करीब आठ बजे गांव स्थित बिजली के टावर पर चढ़ गया। टावर पर युवक को देखकर इलाके में लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को नीचे उतारने का प्रयास किया। काफी देर तक समझाने के बावजूद वह मानने को तैयार नहीं था। इस दौरान उसने टावर से एक पर्चा फेंका, जिसमें लिखा था–जब तक उस छात्रा से मेरी शादी नहीं होगी, मैं नीचे नहीं उतरूंगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने युवक को शादी कराने का भरोसा दिलाया। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद करीब 11 बजे युवक टावर से नीचे उतरा, जिसके बाद पुलिस और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

केस डायरी में कोर्ट की रिट का जिक्र नहीं करने के मामले में नए विवेचक ने कहा–नहीं होगी पुनरावृत्ति

प्रयागराज। धोखाधड़ी के मामले की विवेचना में हाईकोर्ट की लंबित रिट याचिका का उल्लेख केस डायरी में नहीं किए जाने पर विवेचक ने अदालत को आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति नहीं होगी। धोखाधड़ी के मामले की विवेचना में हाईकोर्ट की लंबित रिट याचिका का उल्लेख केस डायरी में नहीं किए जाने पर विवेचक ने अदालत को आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति नहीं होगी। जॉर्जटाउन थाने में 21 मई 2025 को दर्ज मुकदमे की विवेचना पहले एक उपनिरीक्षक कर रहे थे। बाद में उच्चाधिकारियों के लिखित आदेश पर विवेचना सिविल लाइंस थाने को स्थानांतरित कर दी गई। सिविल लाइंस थाने के विवेचक ने एसीजेएम की अदालत को बताया कि पूर्व विवेचक ने केस डायरी के किसी भी पर्चे में इलाहाबाद हाईकोर्ट में लंबित याचिका का उल्लेख नहीं किया।

संक्षिप्त

25 दिन होटल में बंधक, देह व्यापार कराने का आरोप, पुलिस ने छुड़वाया

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में 8 जुलाई को चिनहट की एक महिला पुलिस के पास पहुंची। उसने आरोप लगाया कि उसे 25 दिनों तक एक होटल में बंधक बनाकर रखा गया। इस दौरान जबरन देह व्यापार कराने की कोशिश की गई। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसकी 2 वर्षीय बेटी को एक व्यक्ति अपने पास रखे हुए है। उसे वापस नहीं किया जा रहा। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। शिकायत मिलते ही चिनहट पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और आरोपी अनिल कुमार सिंह को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने दावा किया कि महिला उसकी परिचित है और पिछले 25 दिनों से उसके साथ होटल में रह रही थी। उसके अनुसार, 5 जुलाई को महिला अपनी बेटी को छोड़कर चली गई थी। काफी तलाश के बाद भी जब उसका कोई पता नहीं चला तो बच्ची की देखभाल के लिए उसे अपनी एक परिचित महिला के पास सीतापुर भेज दिया।

खराब मौसम से हवाई सेवाएं प्रभावित, दिल्ली-लखनऊ इंडिगो फ्लाइट अयोध्या डायवर्ट

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बुधवार को खराब मौसम और लगातार हो रही भारी बारिश का असर हवाई सेवाओं पर भी देखने को मिला। बुधवार को दिल्ली से लखनऊ आ रही इंडिगो की एक उड़ान को मौसम प्रतिकूल होने के कारण अयोध्या एयरपोर्ट डायवर्ट करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, लखनऊ एयरपोर्ट पर भारी बारिश और कम दृश्यता के चलते विमान की सुरक्षित लैंडिंग संभव नहीं हो सकी। इसके बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) ने एहतियातन फ्लाइट को अयोध्या एयरपोर्ट भेजने का निर्णय लिया। बताया गया कि विमान में 152 यात्री और 6 क्रू मेंबर सवार थे। सभी यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह फैसला लिया गया। विमान सुरक्षित रूप से अयोध्या एयरपोर्ट पर उतारा गया। खराब मौसम के चलते अन्य उड़ानों के संचालन पर भी असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। एयरपोर्ट प्रशासन यात्रियों से उड़ान से संबंधित ताजा जानकारी एयरलाइन से प्राप्त करने की अपील कर रहा है।

फीस वृद्धि और निष्कासन के विरोध में छात्रों का आंदोलन तेज, 37वें दिन धरने में पहुंचे सांसद पुष्पेंद्र सरोज

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) में फीस वृद्धि और छात्रों के निष्कासन के विरोध में चल रहा आंदोलन लगातार जारी है। बुधवार को छात्रों का धरना 37वें दिन भी जारी रहा, जहां बड़ी संख्या में छात्र अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते रहे। धरने के दौरान समाजवादी पार्टी के सांसद पुष्पेंद्र सरोज भी प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे और आंदोलनरत छात्रों से मुलाकात कर उनका समर्थन किया। धरने पर बैठे छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा की गई फीस वृद्धि को तत्काल वापस लिया जाए। उनका आरोप है कि बढ़ी हुई फीस का सीधा असर आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों पर पड़ रहा है। प्रदर्शन कर रहे छात्रों की दूसरी प्रमुख मांग निष्कासित छात्रों की बहाली है। उनका कहना है कि जिन छात्रों पर कार्रवाई की गई है, उनका निष्कासन वापस लिया जाए। धरना स्थल पर पहुंचे सपा सांसद पुष्पेंद्र सरोज ने छात्रों की मांगों का समर्थन किया। उन्होंने आंदोलनरत छात्रों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना और उनके पक्ष में अपनी सहमति जताई। फिलहाल छात्र अपनी मांगों को लेकर धरना जारी रखे हुए हैं।

राजधानी में झमाझम बारिश,दिन में छाया अंधेरा, गाड़ियों की जलानी पड़ी हेडलाइट

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आज झमाझम बारिश हो रही है। तेज हवाएं चल रही हैं। आसमान में काले बादल छाए हैं। दिन में अंधेरा छा गया है। गाड़ियों को हेडलाइट जलानी पड़ रही है। बारिश से बचने के लिए तमाम लोग फ्लाईओवर के नीचे छिपे हैं। आज सुबह से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। सुबह करीब 29 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, आज लखनऊ के कुछ इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी। हवा के झोंके 50 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे अधिक की रफ्तार तक पहुंच सकते हैं। इस दौरान गरज-चमक के साथ मध्यम से भारी बारिश होने की भी संभावना है।

ससुराल पहुंचे युवक ने साले को मारी गोली, कंधे में लगने से हुआ घायल

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के कैसरबाग इलाके में बुधवार को पत्नी से चल रहे पारिवारिक विवाद के बीच ससुराल पहुंचे युवक ने अपने साले पर फायरिंग कर दी। गोली साले के कंधे में लगी, जिससे वह घायल हो गया। उसे इलाज के लिए बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक उसकी हालत खतरे से बाहर है। इंस्पेक्टर कैसरबाग अंजनी मिश्रा के मुताबिक चौक के राजा बाजार स्थित मुर्तजा हुसैन रोड निवासी मो. इलियास का अपनी पत्नी से लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। बुधवार को वह अपनी ससुराल तालाब गगनी शुक्ल खदरा बाजार पहुंचा, जहां कहासुनी के दौरान उसने अपने साले फाजिल हुसैन (40) पर तमंचे से फायर कर दिया। गोली फाजिल के कंधे में लगी। फायरिंग की सूचना मिलते ही कैसरबाग पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल भेजा। घटना के संबंध में घायल की पत्नी आफरीन की तहरीर पर आरोपी मोहम्मद इलियास के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस की टीमें उसकी तलाश में दबिश दे रही हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। भाई गोलू ने बताया कि इलियास बहन से लंबे समय से विवाद चल रहा है। वह बहन को अक्सर मारता पीटता था। विवाद बढ़ने पर उसे मायके लेकर चले आए थे। इसके बाद वह तलाक की धमकी देने लगा। बुधवार सुबह तड़के 4 बजे का घर पहुंचा और सीढ़ी लगाकर घर में घुसा। इसके बाद अपनी पत्नी से मारपीट करने लगा। शोर सुनकर 3 साल की बिटिया पहुंची तो तमंचा तान दिया जिससे वह घबराकर रोने लगी। तभी भाई पहुंच गया तो उसके ऊपर तमंचे से फायर कर दिया।

कोसीकलां पुलिस की बड़ी कार्रवाई:

साइबर ठगी गिरोह के 22 सदस्य गिरफ्तार, 58 फर्जी आधार कार्ड और 5 मोबाइल बरामद

मथुरा। जनपद की कोसीकलां थाना पुलिस और साइबर/सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 22 सदस्यीय साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 58 फर्जी (कूटरचित) आधार कार्ड तथा 5 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। सभी आरोपियों के विरुद्ध थाना कोसीकलां में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई है।

पुलिस के अनुसार 7 जुलाई की रात करीब 8ः20 बजे मुखबिर की सूचना पर कोसी-शाहपुर रोड स्थित पतराम की पुलिया के पास संयुक्त अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान नंगला सिरौली और नंगला उटावर के रहने वाले 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनके खिलाफ थाना कोसीकलां में मुकदमा संख्या 456/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

ऐसे करते थे साइबर ठगी

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे फर्जी आधार कार्ड तैयार कर उनके आधार पर सिम कार्ड हासिल करते थे। इन सिमों का उपयोग मोबाइल

फोन में कर अपने वास्तविक नंबर और पहचान छिपाकर लोगों को फोन, लिंक और ओटीपी के माध्यम से झांसे में लेते थे। इसके बाद विभिन्न बहानों से पीड़ितों से धनराशि अपने खातों में ट्रांसफर कराकर अवैध लाभ कमाते थे।

कई आरोपियों का आपराधिक इतिहास

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में साजिद खान, आरिफ, तालिम, जावेद और आजाद समेत कई आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी धोखाधड़ी, साइबर अपराध, मारपीट, शस्त्र अधिनियम और अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। अन्य राज्यों एवं जनपदों में इनके आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है।

विशेष टीम ने की कार्रवाई

इस कार्रवाई को प्रभारी निरीक्षक कमलेश सिंह के नेतृत्व में थाना कोसीकलां पुलिस, साइबर सेल और सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम ने अंजाम दिया। अभियान में बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। पुलिस का कहना है कि साइबर अपराधियों के खिलाफ आगे भी अभियान लगातार जारी रहेगा तथा साइबर ठगी से जुड़े अन्य नेटवर्क की भी जांच की जा रही है।

18वाँ सामूहिक सामाजिक सत्याग्रह 12 जुलाई को भयहरणनाथ धाम में

बकुलाही की प्राचीन धारा की होगी सफाई, होगा बृहद पौधरोपण

प्रतापगढ़। भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के तत्वावधान में 18वाँ सामूहिक सामाजिक सत्याग्रह 12 जुलाई रविवार को बाबा भयहरणनाथ धाम परिसर में आयोजित किया जाएगा। सत्याग्रह व श्रमदान कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन (अम्बवता) तथा बकुलाही नदी पुनरोद्धार अभियान के कार्य कर्ता भी प्रतिभाग करेंगे। संस्थान के महासचिव एवं सत्याग्रह तथा बकुलाही नदी पुनरोद्धार अभियान के संयोजक समाज शेखर ने बताया कि 15 मार्च 2026 से चल रहा यह सत्याग्रह बाबा की अतिक्रमित भूमि की मुक्ति एवं बकुलाही नदी के पुनरोद्धार के लिए किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत बकुलाही नदी की प्राचीन पुनरोद्धारित धारा के मुहाने की श्रमदान से सफाई की जाएगी, ताकि आगामी बरसात में प्राचीन जल धारा के किनारे हजारों एकड़ भूमि में हरियाली लौटे

और जल स्तर ऊपर आए तथा आस पास के समीपवर्ती गांवों के आम जन जीवन के पहुँच में पानी उपलब्ध हो सके। साथ ही धाम परिसर, बकुलाही नदी एवं शिव गंगा तालाब के किनारे वन विभाग, नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह व प्रबन्ध संस्थान तथा लोक भारती के सहयोग से बृहद पौधरोपण किया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने कहा कि बाबा भयहरण नाथ महादेव की ज़मीन कब्जा मुक्त होकर विकसित हो, धाम मनमानेपन से मुक्त हो और बकुलाही को उसका बहाव मिले – यही सत्याग्रह का मुख्य उद्देश्य है। मुख्यमंत्री योगी जी के आवाहन पर 12 जुलाई को प्रदेश में विशेष पौधरोपण अभियान सरकारी तंत्र तथा जन सहयोग व लोक भागीदारी से हो रहा है। इस पुनीत कार्य में हर प्रतापगढ़वासी एक पौधा अवश्य लगाए।

धाम प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल व कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह, भारतीय किसान यूनियन अम्बवता के प्रदेश प्रवक्ता भानु प्रताप सिंह व बकुलाही नदी पुनरोद्धार अभियान के वरिष्ठ पदाधिकारी मोती लाल चौधरी ने सभी धर्मप्रेमी एवं पर्यावरण प्रेमियों से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की। नायब तहसीलदार दिनेश तिवारी ने उपाध्यक्ष वित्त एवं लेखा राजीव नयन मिश्र को दूरभाष पर 12 जुलाई को राजस्व टीम के साथ आकर सीमांकन कार्य को अंतिम रूप देने का आश्वासन दिया है।

शहर समता विचार मंच की जबलपुर इकाई की ऑनलाइन काव्या गोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न

जबलपुर। शहर समता विचार की जबलपुर इकाई द्वारा आयोजित ऑनलाइन काव्य गोष्ठी। रचना सक्सेना की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी में डा. कामना कौस्तुभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। सारस्वत अतिथि के रूप में छाया त्रिवेदी एवं विशिष्ट अतिथि डा. राजलक्ष्मी शिवहरे, अर्चना मलैया, डॉ भावना शुक्ला काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया।

सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति डा. कुमकुम शुक्ला द्वारा। काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डा. मुकुल तिवारी,रचना सक्सेना जबलपुर, राजकुमारी रैकवार, प्रभाबच्चन, रेखा चौधरी, गायत्री चौबे, कृष्णा राजपूत,शशिकला सेन, मंजूषा, रश्मि पांडे,कुमकुम शुक्ला, तरुण खरे, आरती शर्मा, चंद्र प्रकाश वैश्य,आशा श्रीवास्तव, अनुराधा गर्ग, रचनाकार बहनों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। धन्यवाद ज्ञापन छाया सक्सेना'प्रभु' ने किया।

रोप-वे सेवा से पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं को मिलेगी सुविधा और बढ़ेगा पर्यटन-जयवीर

लखनऊ (संवाददाता)। महोबा के गोरखगिरी मंदिर एवं जनपद चित्रकूट के लालापुर में बाल्मीकि आश्रम पर रोप-वे परियोजना को पर्यटन विकास की दृष्टि से पीपीपी मोड पर निजी निवेशकों के माध्यम से विकसित और संचालित किया जायेगा। शीघ्र ही इस परियोजना की प्रक्रिया पूरी कराते हुए रोप-वे का संचालन शुरू करा दिया जायेगा। इससे गोरखगिरी मंदिर एवं चित्रकूट के लालापुर में बाल्मीकि आश्रम का दर्शन एवं भ्रमण करने वाले श्रद्धालुओं को सहूलियत प्राप्त होगी। पर्यटन को बढ़ावा भी मिलेगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि गोरखगिरी महोबा का प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। गोरखगिरी पर्वत बहुत ही खूबसूरत स्थल है। मान्यता है कि गुरु गोरखनाथ कुछ समय के लिए अपने सातवें शिष्य सिद्धो दीपकनाथ के साथ इसी पर्वत पर तपस्या की थी। यहां वर्ष भर श्रद्धालु आते रहते हैं। ऊँचाई पर स्थित होने के कारण श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। चित्रकूट के लालापुर में बाल्मीकि आश्रम भी श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केन्द्र है। हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन हेतु पधारते हैं। रोप-वे के संचालित हो जाने से श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की संख्या में कई गुना बढ़ोत्तरी होगी तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। गोरखपुर में स्थित परमहंस योगानन्द की जन्म स्थली के पर्यटन विकास की परियोजना की पूरी हो जाने के पश्चात उसके रख-रखाव एवं संचालित किये जाने के लिए योगदा सत्संग सोसायटी, सोसायटी ऑफ इंडिया कोलकाता को हस्तान्तरित कराये जाने के संबंध में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कराये जाने का प्रस्ताव है। समझौता ज्ञापन का ड्राफ्ट तैयार करने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

अनसूनी कर बात

(छप्पय)

शब्दों का ही खेल खेलते हैं जो केवल।
लगते कमल-समान मगर मत कहना देवल।
मजबूरी में साथ अगर इनसे है करना।
अनसूनी कर बात हमेशा आगे बढ़ाना।
रखना हरदम याद यह बहना मत भटकाव में।
धोखा छल अरु वंचना रहते उनके ख्वाब में।।

दौलत से रख प्रेम भगत उसका ही बन के।
करें त्याग की बात लोभ अन्तस में भर के।
जीत जगत विश्वास कहानी नूतन लिखकर।
बना रहे हैं मूर्ख आज अपनों को जमकर।
अद्भुत यह संसार है अद्भुत इसकी रीति है।
ठगा-ठगा सा सत्य है झूठ कर रही प्रीति है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सपा के पूर्व एमएलए दीप नारायण पर ईडी का शिकंजा

लखनऊ (संवाददाता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने समाजवादी पार्टी के एक पूर्व विधायक और उनसे जुड़े लोगों के खिलाफ धन शोधन से जुड़े मामले की जांच के सिलसिले में बुधवार को उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई झांसी जिले की गरौठा विधानसभा सीट से पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह यादव के खिलाफ शुरू की गई। उन्होंने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत ईडी द्वारा झांसी और लखनऊ में कई परिसरों पर छापेमारी की गई है। धन शोधन की यह जांच उत्तर प्रदेश सतर्कता ब्यूरो द्वारा पूर्व विधायक के खिलाफ कथित रूप से आय से अधिक संपत्ति रखने के मामले में दर्ज एक प्राथमिकी और 23 अन्य शिकायतों से जुड़ी है। अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में पता चला है कि रियल एस्टेट, निर्माण और अन्य कारोबार से जुड़ी कंपनियों तथा सीमित देयता भागीदारी (एलएलपी) फर्म के एक नेटवर्क के जरिए अपराध से अर्जित धन को खपाया गया और धन शोधन किया गया। उन्होंने बताया कि यादव के खिलाफ दर्ज कई मामलों में धोखाधड़ी, जालसाजी, जबरन वसूली, हत्या का प्रयास, डकैती आदि से संबंधित मामले शामिल हैं।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 5020262027 | दिनांकः 06.07.2026

ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये टू पैकेट ई-निविदाएं प्रपत्र पर दिनांक 29.07.2026 को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा सं.: 115, कार्यों का विवरणः वरि. मण्डल इंजी./तृतीय/उ.म.रे./प्रयागराज के अन्तर्गत समपार सं. 19 कि.मी. 1132/5-7 तथा समपार सं. 33 कि.मी. 1167/26-27 पर सड़क अंडर ब्रिज (RUB) का निर्माण कार्य।

अनुमानित मूल्य (₹): 15,02,72,051.03 | अग्रिम धन राशि मूल्य (₹) 30,05,500.00

कार्य समापन की अवधि: 12 माह। | निविदा खुलने की तिथि: 29.07.2026

पात्रता मापदंड के अन्तर्गत सिमिलर कार्य।: आर.सी.सी. या पी.एस.सी.पुलों/आर.ओ.बी./आर.यू.बी./एल.एच.एस. का निर्माण। इसके अलावा, निविदाकार (जे.वी. के किसी भी पार्टनर द्वारा, या पार्टनरशिप फर्म के मामले में किसी भी पार्टनर द्वारा) ने एम्बैंकमेंट के जरिए बॉक्स पुशिंग/एयर पुशिंग विधि/आर.एच.एस. तकनीक का उपयोग करके बॉक्स पुशिंग के जरिए किसी भी पुल (न्यूनतम आकार 2.5 मी. x 2.5 मी.) का निर्माण, किसी भी मूल्य का इसी या किसी अन्य कार्य में भी पूरा किया हो। कार्य का बॉक्स पुशिंग वाला हिस्सा केवल अनुभवी पार्टनर द्वारा ही किया जाएगा, जिसने बॉक्स पुशिंग का कोई कार्य पूरा किया हो।

नोटः (1) उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की तिथि दिनांक 29.07.2026 तक उपलब्ध है। निविदा खोलने की नियत तारीख को 15:00 बजे या उसके बाद खोला जाएगा। टेंडर प्रस्ताव टू पैकेट सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत किया जायेगा, (I) टेक्निकल बिड (II) फाइनेंशियल बिड। (2) उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेण्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंशियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म / लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उन पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (4) सभी निविदावाला निविदा संख्या 115 जिसमें निविदा का मूल्य ₹ 50 लाख से ज्यादा है के लिए Annexure-V & V(A) (Document Verification Certificate) की आवश्यकता है। माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी.एस.टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। (5) निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailway.gov.in पर भी अपलोड कर दिया गया है। (6) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। (7) ऑनलाइन निविदा दिनांक 29.07.2026, 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। (8) ई-टेण्डर फार्म सभी निविदाकारों को मुफ्त जारी किए जाएंगे। (9) निविदा संख्या 115 के लिए निविदादाता को जी.सी.सी.-2022 (वर्क्स मामले भाग-1) के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में आवश्यक दस्तावेजों का निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है। अन्यथा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 1545/26 (MG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि झाँसी मण्डल के वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी - मानिकपुर खण्ड के बदौसा, अतर्रा एवं खुरहण्ड स्टेशन पर दोहरीकरण के कार्य हेतु किये जा रहे नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण गाड़ियों का निरस्तीकरण, आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन एवं रेग्युलेशन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है :-

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	आवृत्ति	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
11801	ग्वालियर - प्रयागराज	प्रतिदिन	22.07.2026 से 23.07.2026
11802	प्रयागराज - ग्वालियर	प्रतिदिन	23.07.2026 से 24.07.2026
64601	मानिकपुर - कानपुर सेंट्रल	प्रतिदिन	21.07.2026 से 23.07.2026
64602	कानपुर सेंट्रल - मानिकपुर	प्रतिदिन	21.07.2026 से 23.07.2026

रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	आवृत्ति	आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन के स्टेशन	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
14109	चित्रकूट धाम कर्वी - कानपुर सेंट्रल	प्रतिदिन	बाँदा	22.07.2026 से 23.07.2026
14110	कानपुर सेंट्रल - चित्रकूट धाम कर्वी	प्रतिदिन	बाँदा	22.07.2026 से 23.07.2026

रेलगाड़ियों का रेग्युलेशन

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	रेग्युलेशन का स्थान एवं समय	रेग्युलेशन की तिथि
18203	दुर्ग - कानपुर सेंट्रल	झाँसी मण्डल में 40 मिनट	13.07.2026, 15.07.2026, 22.07.2026
		वेस्ट सेंट्रल रेलवे 120 मिनट	20.07.2026
19484	सहरसा - अहमदाबाद	झाँसी मण्डल में 60 मिनट	14.07.2026, 16.07.2026, 18.07.2026, 20.07.2026
26506	बनारस - खजुराहो	झाँसी मण्डल में 40 मिनट	14.07.2026, 18.07.2026, 20.07.2026
12175	हावड़ा-ग्वालियर	झाँसी मण्डल में 40 मिनट	16.07.2026, 20.07.2026
12177	हावड़ा-मथुरा	झाँसी मण्डल में 40 मिनट	18.07.2026
20975	हावड़ा-आगरा कैंट	झाँसी मण्डल में 15 मिनट	15.07.2026, 22.07.2026
64602	कानपुर सेंट्रल - मानिकपुर	झाँसी मण्डल में 70 मिनट	14.07.2026, 16.07.2026, 18.07.2026, 20.07.2026
11802	प्रयागराज - ग्वालियर	झाँसी मण्डल में 30 मिनट	14.07.2026, 16.07.2026, 18.07.2026, 20.07.2026
01025	डॉ. अम्बेडकर नगर - बलिया	झाँसी मण्डल में 180 मिनट	23.07.2026

नोट : विलंब से चल रही अथवा निर्धारित पथ से बाहर संचालित रेलगाड़ियों का आवश्यकतानुसार विनियमन (Regulation) किया जायेगा।

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR | 1547/26(AS)

सम्पादकीय.....

खामेनेई युग का अंत

ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार से पहले उनकी अंतिम यात्रा निकाली जा रही है। जिसमें पूरे ईरान से लोग तो उमड़ पड़े ही हैं, साथ ही दुनिया के कई देशों के लोग उन्हें आखिरी बार श्रद्धांजलि देने पहुंच रहे हैं। अली खामेनेई की अंतिम यात्रा सोमवार को राजधानी तेहरान में शुरू हुई। शहर की सड़कों पर लाखों लोग उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए जुटे। जिस तरह से पूरे ईरान में खामेनेई के अंतिम संस्कार पर लोग रोते–बिलखते दिख रहे हैं और जान के खतरे उठाकर भी कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं, उससे अनुमान लगाया जा सकता है कि आयतुल्लाह अली खामेनेई का ईरान में क्या दर्जा था। वे केवल आधिकारिक तौर पर सुप्रीम लीडर नहीं थे, बल्कि उनके साहस और बेखौफ रवैये को देखकर आम ईरानी नागरिक उन्हें अपना सर्वोच्च नेता मानता था और उनके कहे को पत्थर की लकीर। शायद यही वजह है कि 28 फरवरी को जब अमेरिका और इजरायल के हमले में आयतुल्लाह खामेनेई अपने कुछ परिजनों के साथ शहीद हुए, तो उनके न झुकने वाले जज्बे को हरेक ईरानी नागरिक ने अपने व्यवहार में उतार लिया और फिर अमेरिका–इजरायल के हर हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया। डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू को खुशफहमी थी कि वे ईरान पर आसान जीत दर्ज कर लेंगे, हमले के पहले ही दिन अली खामेनेई की हत्या करने के बाद ईरान में कोई नेतृत्व नहीं बचेगा और ईरानी पलटवार नहीं कर पाएंगे। लेकिन अमेरिका और इजरायल का यह भ्रम बहुत जल्दी टूट गया। ईरान ने अली खामेनेई के बेटे मोज्तबा खामेनेई को सर्वोच्च नेता घोषित किया, वे अब तक सार्वजनिक तौर पर दिखाई नहीं दिए हैं। लेकिन ईरान के राष्ट्रपति डा.मसूद पेजेश्कियान से लेकर विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद गलीबाफ जैसे तमाम नेता लगातार सड़कों पर उतर कर जनता में हिम्मत बंधाते रहे और साथ ही ईरानी सेना अमेरिका और इजरायल पर जवाबी वार भी करती रही। इस युद्ध में ईरान को बेशक जान माल का बहुत नुकसान हुआ। आयतुल्लाह अली खामेनेई के अलावा अली लारीजानी जैसे नेता भी मारे गए, मिनाब की स्कूल में सौ से ज्यादा बच्चियां हमले का शिकार बनीं। लेकिन ईरान झुका नहीं, संघर्ष करता रहा। हालात ऐसे बने कि आखिर में अमेरिका को ईरान के साथ पहले अस्थायी युद्ध विराम और अब समझौता करने पर मजबूर होना पड़ा। हालांकि ट्रंप की अकड़ अब भी खत्म नहीं हुई है। अली खामेनेई को अंतिम विदाई देने के लिए कम से कम एक करोड़ लोग ईरान में अलग–अलग जगहों पर सड़कों पर आए हैं। इसे देखकर ट्रंप ने कहा कि उन्हें ईरानियों को रोता देखकर हैरानी हुई। उन्हें लगा था कि लोग खामेनेई से नफरत करते हैं। फिर खुद को सही साबित करने के लिए ट्रंप ने कहा, श्हो सकता है ये नकली आंसू हों।श इस बयान के पीछे दो ही कारण हो सकते हैं या तो ट्रंप सच्चाई को अनदेखा कर रहे हैं कि उनके खामेनेई के विरुद्ध चलाए गए अभियान को जनता ने नकार दिया है या फिर उनमें वैश्विक मामलों की वाकई समझ नहीं है। वे अब भी इस मुगालते में हैं कि ईरान की सभ्यता को जमींदोज कर सकते हैं। याद कीजिए ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य न खोलने पर ईरान को सभ्यता मिटाने की धमकी दी थी। ऐसे बयानों से ट्रंप खुद ही अपनी मिट्टी पलीद करवा रहे हैं। बीबीसी के मुताबिक नकली आंसू वाले ट्रंप के दावे पर शोक मना रही 50 साल की महिला जहरा सफाई ने रॉयटर्स से कहा, हमने 47 साल पहले नकली आंसू बहाने के लिए क्रांति नहीं की थी। हमने अपने इतने शहीदों की कुर्बानी नकली आंसू बहाने के लिए नहीं दी। ऐसे बयान ट्रंप और नेतन्याहू को आईना दिखाने के लिए काफी हैं कि वे ईरान की सच्चाई समझ लें और युद्ध के रास्ते से पीछे लौट जाएं। मगर ये दोनों मगरूर नेता अब भी अपनी झूठी अकड़ में फैसले ले रहे हैं। जैसे खामेनेई के अंतिम संस्कार में तमाम वरिष्ठ ईरानी नेता और अधिकारी शामिल हो रहे हैं। इस पर ट्रंप ने कहा कि ईरानी शासन के कई वरिष्ठ अधिकारी एक ही जगह मौजूद हैं। अमेरिका चाहे तो श्एक ही हमलेश में उन सभी को मार सकता है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा, हम ऐसा नहीं करेंगे, क्योंकि फिर बातचीत करने के लिए कोई नहीं बचेगा।श दरअसल ट्रंप इस बात को समझ नहीं रहे हैं कि ईरान किसी एक नेता पर निर्भर नहीं है, ईरानी जनता ने यह साबित किया है कि देश बड़ा होता है कोई चेहरा नहीं। देश आदर्शों और सिद्धांतों पर चलता है। तो आयतुल्लाह अली खामेनेई ने पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका की नीतियों के प्रतिरोध में जो सिद्धांत अपनाए ईरान अब भी उन्हीं पर चल रहा है, इसलिए उसे झुकाया नहीं जा सका। इधर बेंजामिन नेतन्याहू की नजर ईरान के साथ अब लेबनान पर टिकी है और हिज्बुल्लाह को खत्म करने के नाम पर लगातार लेबनान पर हमले हो रहे हैं। इस में अमेरिका को भी तकलीफ हो रही है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने जब इजरायल को कहा कि अमेरिका की बात सुनिए क्योंकि केवल हम ही आपका साथ दे रहे हैं तो नेतन्याहू का जवाब था कि भारत का समर्थन उनको मिल रहा है। वैसे इस बयान पर अब तक मोदी सरकार की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन यह विचारणीय है ।

चीन का नया जनजातीय कानून

असद मिर्जा

चीन का नया जातीय एकता और प्रगति को बढ़ावा देने वाला कानून विविधता के प्रबंधन से हटकर जबरन एकरूपता थोपने की ओर एक निर्णायक बदलाव का संकेत देता है। उइगर, तिब्बती और अन्य अल्पसंख्यकों के आत्मसातीकरण को कानूनी रूप से संस्थागत बनाकर, बीजिंग का उद्देश्य उनकी विशिष्ट सांस्कृतिक, भाषाई और धार्मिक पहचान को मिटाकर कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति वफादार एक एकल, राज्य–निर्धारित चेतना को स्थापित करना है। जातीय एकता और प्रगति को बढ़ावा देने वाला कानून, जो आधिकारिक तौर पर 1 जुलाई, 2026 को लागू हुआ, उसे बीजिंग द्वारा चीन के 56 मान्यता प्राप्त जातीय समूहों के बीच सद्भाव और सामाजिक स्थिरता को बढ़ावा देने वाले एक उदार साधन के रूप में पेश किया गया है। हालांकि, एक करीबी विश्लेषणात्मक अध्ययन से पता चलता है कि यह ढांचा संरचनात्मक आत्मसातीकरण के लिए तैयार किया गया एक तंत्र है। इस कानून का मुख्य जनादेश एक साझा राष्ट्रीय पहचान का निर्माण करना है। व्यावहारिक रूप से, इसका मतलब है कि जातीय अल्पसंख्यकों के विशिष्ट इतिहास, भाषाओं और परंपराओं को हान–प्रभुत्व वाले चीनी राष्ट्रीय आख्यान के अधीन होना होगा। कानून की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में शामिल हैं। अनिवार्य मंदारिन निर्देश रू अनुच्छेद 15 इस आवश्यकता को औपचारिक रूप देता है कि प्री–स्कूल (शिशु विद्यालय) से लेकर अनिवार्य उच्च विद्यालय शिक्षा के अंत तक सभी बच्चों को मंदारिन चीनी भाषा सिखाई जानी चाहिए। हालांकि शिनजियांग और तिब्बत जैसे क्षेत्रों में पहले से ही मंदारिन को भारी बढ़ावा दिया जा रहा था, लेकिन यह कानून देश भर में अल्पसंख्यक भाषाओं को शिक्षा के प्राथमिक माध्यम के दर्जे से वंचित करता है, और उन्हें माध्यमिक महत्व पर धकेल देता है। यह कानून स्पष्ट रूप से सभी सरकारी निकायों, निजी उद्यमों, सामाजिक संगठनों और यहां तक कि धार्मिक समूहों से चीनी राष्ट्र की एक साझा चेतना बनाने के लिए सक्रिय रूप से काम करने की मांग करता है। विशेष रूप से, धार्मिक संस्थानों को धर्म के चीनीकरण पर टिके रहने के निर्देश दिए गए हैं, जो विश्ववासियों को समाजवादी समाज और राज्य की विचारधारा के अनुकूल होने के लिए मार्गदर्शन करते हैं। शायद इस कानून का सबसे विवादास्पद पहलू चीन की सीमाओं से परे इसका लागू होना है। अनुच्छेद 63 दावा करता है कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (चीन) के बाहर के संगठनों और व्यक्तियों को जातीय एकता को कमजोर करने या श्जातीय अलगाववादश को भड़काने के लिए कानूनी रूप से जवाबदेह ठहराया जा सकता है। यह प्रावधान दुनिया भर में प्रवासी समुदायों, कार्यकर्ताओं और आलोचकों को निशाना बनाने तथा अंतरराष्ट्रीय दमन के लिए एक कानूनी बहाना प्रदान करता है। उइगर और तिब्बती बौद्धों जैसे समुदायों के लिए, यह कानून किसी नई शुरुआत की तरह नहीं है, बल्कि लंबे समय से चले आ रहे प्रणालीगत दबावों का एक क्रूर और औपचारिक रूप है। शिनजियांग में उइगरों के लिए, जातीय एकता के तर्क का उपयोग ऐतिहासिक रूप से सामूहिक मनमानी नजरबंदी, जबरन श्रम हस्तांतरण, परिवारों को अलग करने और सांस्कृतिक विरासत के व्यवस्थित विनाश को सही ठहराने के लिए किया जाता रहा है। इन प्रथाओं को एक राष्ट्रीय कानून में संहिताबद्ध करके, राज्य ने अपने इरादे के संबंध में बची–खुची अस्पष्टता को भी समाप्त कर दिया है। यह कानून भाषा के संरक्षण से लेकर धार्मिक प्रथाओं तक, उइगर पहचान की अभिव्यक्तियों को प्रभावी रूप से अपराध की श्रेणी में डालता है, और उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा या धार्मिक उग्रवाद के संकेत के रूप में ब्रांड करता है। तिब्बती बौद्धों के लिए, यह कानून उनके सांस्कृतिक अस्तित्व पर एक रणनीतिक हमला है। यह कानून सीधे तौर पर तिब्बती मठों के प्रशासन और युवा भिक्षुओं तथा ननों की शिक्षा को प्रभावित करता है। धार्मिक उत्तराधिकार और प्रथाओं को राज्य द्वारा अनुमोदित ढांचों के अनुरूप होना अनिवार्य करके, यह कानून दलाई लामा जैसे आंकड़ों के पारंपरिक अधिकार को छिन्न–भिन्न करने का प्रयास करता है। तिब्बती बच्चों को जबरन सरकारी बोर्डिंग स्कूलों में स्थानांतरित करना, जहां वे अपनी भाषा और संस्कृति से अलग हो जाते हैं, अब एक मजबूत कानूनी ढांचे द्वारा समर्थित है जो सांस्कृतिक संरक्षण को राजनीतिक अवज्ञा के बराबर मानता है। इस कानून पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया बेहद आलोचनात्मक रही है, जिसमें पश्चिमी देशों, मानवाधिकार संगठनों और निर्वासित अल्पसंख्यक समूहों ने इसे सांस्कृतिक सफाए के एक ब्लूप्रिंट (खाके) के रूप में निंदा की है। यूरोपीय संसद ने औपचारिक रूप से इस कानून की निंदा की है, और चेतावनी दी है कि यह अल्पसंख्यक समूहों की विरासत को मिटाने के एक व्यवस्थित प्रयास को बढ़ावा देता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में, कांग्रेस के नेताओं ने विदेश विभाग से इस कानून को सार्वजनिक और दृढ़ता से चुनौती देने का आग्रह किया है, और इसे वैचारिक नियंत्रण के एक उपकरण तथा वैश्विक स्तर पर मानवाधिकार अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए एक सीधे खतरे के रूप में पेश किया है। एम्नेस्टी इंटरनेशनल और कैंपेन फॉर उइगर सहित मानवाधिकार समूहों ने तर्क दिया है कि यह कानून क्षेत्रीय जातीय स्वायत्तता के संबंध में चीन की अपनी संवैधानिक गारंटियों का उल्लंघन करता है और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के विपरीत है। बीजिंग ने इस आलोचना को दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार और अपनी घरेलू नीति को तोड़–मरोड़ कर पेश करने वाला बताकर खारिज कर दिया है। बीजिंग में एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान, उप न्याय मंत्री हू वेइली ने कानून का बचाव करते हुए तर्क दिया कि यह चीन की राष्ट्रीय स्थितियों के अनुरूप एक वैध, कानूनी, आवश्यक और व्यवहार्य उपाय है। चीनी अधिकारियों का तर्क है कि यह कानून एक आंतरिक मामला है जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हितों की रक्षा करना है। चीन के नए जातीय कानून के प्रति भारत की प्रतिक्रिया सभ्यतागत मूल्यों, क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता और सतर्क कूटनीति के एक जटिल मिश्रण से आकार ले रही है। धर्मशाला में स्थित सेंट्रल तिब्बतन एडमिनिस्ट्रेशन ने इसके विरोध में खुलकर आवाज उठाई है, और इस कानून को तिब्बती पहचान पर श्कानूनी हमलाश बताया है। निर्वासित तिब्बती सरकार के राजनीतिक नेता (सिक्योंग) पेनपा त्सेरिंग ने दोनों एशियाई दिग्गजों के बीच के कड़े अंतर को रेखांकित किया। उन्होंने उल्लेख किया कि जहां भारतीय सभ्यता की विशेषता उसकी सहिष्णुता और विविधता को सक्रिय प्रोत्साहन देना है, वहीं वर्तमान शासन के तहत चीनी सभ्यता तेजी से जबरन थोपी गई एकरूपता द्वारा परिभाषित हो रही है। आधिकारिक तौर पर नई दिल्ली ने अपनी प्रतिक्रिया को मुख्य रूप से सांस्कृतिक संरक्षण और क्षेत्रीय स्थिरता के नजरिए से व्यक्त किया है। भारत के अपने बहुलवादी लोकाचार को देखते हुए, जो बुद्ध की शिक्षाओं जैसी परंपराओं में गहराई से निहित है, हिमालयी क्षेत्र की सांस्कृतिक और भाषाई विविधता पर चीन के इस कानून के प्रभाव को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। हालांकि, भारत की प्रतिक्रिया भारत–चीन संबंधों की नाजुक स्थिति के कारण भी संतुलित है। अक्टूबर 2024 के सीमा समझौतों के बाद, जिसका उद्देश्य वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव को कम करना और सुरक्षा उपाय स्थापित करना था, नई दिल्ली ऐसे उकसावों से सावधान है जो सुलह की इस नाजुक प्रक्रिया को पटरी से उतार सकते हैं। भारत की वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की महत्वाकांक्षाएं और चीन पर इसकी आर्थिक निर्भरता एक बहुआयामी विदेश नीति की मांग करती है। नतीजतन, जहां भारत बीजिंग की इस आक्रामक समरूपीकरण नीतियों से गहराई से असहज है ।

सभी धार्मिक समूहों के लिए एक चेतावनी है अयोध्या राम मंदिर का मामला

के रवींद्रन

अयोध्या राम मंदिर में दान की कथित चोरी ने एक पुराने सवाल को राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना दिया है, जब आस्था, पैसा और सत्ता बिना पर्याप्त सार्वजनिक जवाबदेही के एक साथ आते हैं, तो धार्मिक संस्थाओं की संपत्ति की सुरक्षा कौन करे? यह मुद्दा केवल अयोध्या या हिंदू संस्थाओं तक सीमित नहीं है। सभी धर्मों में, धार्मिक बंदोबस्त, तीर्थ स्थल, ट्रस्ट, चर्च, मस्जिद, वक्फ संपत्तियां, मठ, गुरुद्वारे और तीर्थ केंद्र लोगों का भारी भरोसा और बड़ी भौतिक संपत्ति रखते हैं। उन्हें नकद दान, गहने, जमीन, प्रतिभूतियां, विदेशी योगदान और डिजिटल भुगतान मिलते हैं। कई संस्थाएं स्कूल, अस्पताल, चौरिटी, हॉस्टल और कल्याणकारी नेटवर्क भी चलाती हैं। फिर भी, इन संपत्तियों की सुरक्षा के लिए बनी व्यवस्थाएं अक्सर असमान, अपारदर्शी और अंदरूनी लोगों, ठेकेदारों, राजनीतिक संरक्षकों और बिचौलियों द्वारा हेरफेर के प्रति संवेदनशील होते हैं। अयोध्या का मामला विशेष रूप से चिंताजनक है क्योंकि इस संस्था का प्रतीकात्मक महत्व बहुत अधिक है। राम मंदिर कोई साधारण तीर्थ स्थल नहीं है। इसे दशकों के आंदोलन, कानूनी लड़ाई, राजनीतिक संघर्ष और लाखों भक्तों की भावनात्मक भागीदारी के बाद बनाया गया था। दान केवल पैसे के रूप में नहीं, बल्कि आस्था के प्रतीक के रूप में आया था। जब ऐसी स्थिति में संगठित चोरी, नकदी के दुरुपयोग, विदेशी मुद्रा की बरामदगी और कमजोर आंतरिक नियंत्रण के आरोप लगते हैं, तो नुकसान केवल वित्तीय नहीं होता। यह उस पवित्र सार्वजनिक ट्रस्ट के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालने वालों की नैतिक साख पर चोट करता है। मंदिर के कई वर्षों के खातों का फिर से ऑडिट करने का निर्णय, एक विशेष जांच प्रक्रिया का गठन, विवाद से जुड़े इस्तीफे और इस मुद्दे पर राजनीतिक विरोधा प्रदर्शन यह संकेत देते हैं कि मामला सामान्य प्रशासनिक विफलता से आगे बढ़ गया है। भले ही अंतिम आपराधिक जिम्मेदारी जांच और मुकदमे के बाद ही तय हो, लेकिन प्रशासन की विफलता पहले से ही स्पष्ट है। एक ऐसी प्रणाली जो दान की चोरी को संगठित होने देती है, या बड़े पैमाने पर इसके विश्वसनीय आरोप लगने देती है, उसका बचाव केवल कुछ गलत करने वाले व्यक्तियों के काम के रूप में नहीं किया जा सकता है। यह अपर्याप्त सुरक्षा उपायों, नियंत्रण के अत्यधिक केंद्रीकरण और खराब बाहरी निगरानी की ओर इशारा करता है। धार्मिक संस्थाएं एक कठिन संवैधानिक और नैतिक स्थिति में होती हैं। वे व्यावसायिक कंपनियां नहीं हैं, फिर भी वे इतनी बड़ी मात्रा में संपत्ति संभालती हैं कि अगर कोई कॉर्पोरेशन ऐसा करता तो उसे सख्त नियमों का पालन करना पड़ता। वे सरकार का हिस्सा नहीं हैं फिर भी उन्हें अक्सर सरकारी रियायतें, पुलिस सुरक्षा, टैक्स में छूट, जमीन और राजनीतिक संरक्षण मिलता है। आम तौर पर वे निजी पारिवारिक संपत्ति नहीं होतीं, फिर भी उनके प्रबंधन पर अक्सर बंद समूहों, वंशानुगत हितों या ऐसे नेटवर्क का कब्जा होता है जो सि+फ खुद को ही जवाबदेह मानते हैं। इस अस्पष्टता ने कुप्रबंधन के लिए सही माहौल बना दिया है। भारत में स्वाभाविक प्रतिक्रिया अक्सर सरकारी नियंत्रण की रही है, खासकर हिंदू मंदिरों के मामले में। फिर भी अनुभव से पता चला है कि सरकारी नियंत्रण ईमानदारी की कोई गारंटी नहीं है। यह एक तरह के कब्जे की जगह दूसरा कब्जा ला सकता है। नौकरशाहों में धार्मिक संवेदनशीलता की कमी हो सकती है, राजनेता मंदिर की आय का इस्तेमाल संरक्षण के लिए कर सकते हैं, और प्रशासक पवित्र संस्थानों को सामुदायिक ट्रस्ट के बजाय राजस्व पैदा करने वाले विभागों के तौर पर देख सकते हैं। दूसरी तरफ यह तर्क है कि धार्मिक समुदायों को अपने संस्थानों का प्रबंधन खुद करने के लिए पूरी तरह छोड़ दिया जाना चाहिए। उस नजरिए का भावनात्मक महत्व है, खासकर तब जब सरकारी दखल चुनिंदा या भेदभावपूर्ण लगे। लेकिन यह आंतरिक कब्जे के रिकॉर्ड को नजरअंदाज करता है। कई धार्मिक संस्थानों पर जमीन हड़पने, दान की हेराफेरी, बढ़ा–चढ़ाकर बताए गए ठेके, सोने–चांदी का गबन, नियुक्ति के अधिकारों में हेरफेर, आय कम बताना, बिना इजाजत लीज और धार्मिक या आम अभिजात वर्ग के गुटीय नियंत्रण के आरोप लगे हैं। सिर्फ आस्था ही ऑडिट का तरीका नहीं हो सकती। भक्ति प्रशासन की जगह नहीं ले सकती। इसलिए, इसका जवाब न तो पूरी तरह सरकारी नियंत्रण हो सकता है और न ही बिना नियम–कानून वाली आजादी। भारत को एक ऐसे धर्मनिरपेक्ष, निष्पक्ष जवाबदेही ढांचे की जरूरत है जो धार्मिक रीति–रिवाजों में दखल दिए बिना धार्मिक संपत्ति को सार्वजनिक–ट्रस्ट की संपत्ति माने। यह फर्क बहुत जरूरी है। सरकार का काम रीति–रिवाजों, सिद्धांतों, पूजा–पद्धतियों, धार्मिक मान्यताओं या धर्मशास्त्रीय सवालों पर फैसला करना नहीं है। लेकिन जनता द्वारा दान की गई संपत्ति चोरी न हो, उसका गलत इस्तेमाल न हो, उस पर कब्जा न हो या जिस भरोसे के तहत वह दी गई थी, उसके मकसद के खिलाफ उसका इस्तेमाल न हो, यह सुनिश्चित करने में सरकार की जायज दिलचस्पी होनी चाहिए। धार्मिक संस्थानों के प्रशासन के लिए एक कानूनी राष्ट्रीय आयोग बनाने पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। इसका दायरा किसी खास संप्रदाय तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसमें सभी प्रमुख सार्वजनिक धार्मिक संस्थान शामिल होने चाहिए– आय, संपत्ति, सार्वजनिक दान, जमीन या चौरिटेबल कामों के लिए तय सीमा के आधार पर। ऐसी संस्था को सीधे तौर पर मंदिरों, मस्जिदों, चर्चों या गुरुद्वारों का प्रबंधन नहीं करना चाहिए। इसे शासन के मानकों की निगरानी करनी चाहिए, पारदर्शी अकाउंटिंग अनिवार्य करनी चाहिए, स्वतंत्र ऑडिट करवाना चाहिए, संपत्ति का रजिस्टर रखना चाहिए, हितों के टकराव के नियमों को लागू करना चाहिए, जमीन के बड़े सौदों की जांच करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शिकायतों की जांच सही प्रक्रिया से हो। ऐसे आयोग का धर्मनिरपेक्ष स्वरूप ही उसकी सबसे बड़ी सुरक्षा होगी। आयोग का पहला काम पारदर्शिता होना चाहिए। हर बड़े धार्मिक संस्थान को आय, खर्च, संपत्ति, देनदारियों, दान, बड़े कॉन्ट्रैक्ट और जमीन के सौदों का सालाना ब्योरा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराना चाहिए। ऐसे आयोग में नियुक्तियां रोजमर्रा की राजनीति से दूर होनी चाहिए। चयन प्रक्रिया में न्यायपालिका, संवैधानिक अधिकारियों, वित्तीय विशेषज्ञों और मान्यता प्राप्त नागरिक समाज संस्थाओं के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाना चाहिए। इसके आदेशों के खिलाफ अदालतों में अपील की जा सकती है। इसकी शक्तियां धर्मनिरपेक्ष प्रशासन, वित्त, संपत्ति और गवर्नेंस तक सीमित होनी चाहिए। अयोध्या विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब धार्मिक संस्थाओं का आर्थिक ढांचा और भी जटिल होता जा रहा है। तीर्थ–यात्रा से जुड़ा पर्यटन बढ़ रहा है, डिजिटल दान में बढ़ोतरी हो रही है, धार्मिक बुनियादी ढांचे को शहरी विकास से जोड़ा जा रहा है, और आस्था पर आधारित चौरिटी संस्थाएं औपचारिक और अनौपचारिक माध्यमों से बड़ी रकम का लेन–देन कर रही हैं।

स्पेन दुनिया को रोजगार दे रहा, भारत अपने लोगों को क्यों नहीं?

दीपक कुमार शर्मा

दुनिया भर में प्रवासन आज सबसे अधिक चर्चित विषयों में से एक है। एक समय था जब विकसित देश प्रवासियों का खुले दिल से स्वागत करते थे लेकिन अब स्थिति बदल रही है। यूरोप, अमरीका और अन्य विकसित देशों में प्रवासियों को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। इसके बावजूद यूरोप का एक देश स्पेन इस प्रवृत्ति के विपरीत दिशा में आगे बढ़ रहा है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने प्रवासियों को आध्थक विकास का साधन माना है और बड़ी संख्या में विदेशी कामगारों को देश में आने की अनुमति दी है। यही कारण है कि आज स्पेन यूरोप की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। दूसरी ओर भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश होने के बावजूद अपने सभी नागरिकों को पर्याप्त रोजगार उपलब्ध कराने की चुनौती से जूझ रहा है। स्पेन में जन्मदर बेहद कम है और प्रति महिला औसतन केवल 1.2 बच्चे पैदा हो रहे हैं, जो जनसंख्या को स्थिर रखने के लिए आवश्यक 2.1 की दर से बहुत कम है। इसके साथ ही हर वर्ष लगभग 1 लाख लोग सेवानिवृत्त हो जाते हैं, जिससे श्रम बाजार में बड़ी संख्या में रिक्तियां पैदा होती हैं। इस कमी को पूरा करने के लिए स्पेन ने प्रवासियों को अवसर देना शुरू किया। वर्ष 2022 में लगभग 6.65 लाख विदेशी स्पेन पहुंचे। आज स्थिति यह है कि 2000 में जहां हर 20वां व्यक्ति विदेशी मूल का था, वहीं अब लगभग हर 5वां व्यक्ति विदेशी मूल का है। स्पेन की सरकार ने हाल के वर्षों में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों को कानूनी दर्जा देने के लिए 'एमनैस्टी' अथवा नियमितीकरण योजना भी शुरू की है। इसका उद्देश्य श्रम बाजार की जरूरतों को पूरा करना और आर्थिक गतिविधियों को गति देना है। परिणामस्वरूप यूरोप में 2020 के बाद पैदा हुए हर 4 नए रोजगारों में से लगभग 1 स्पेन में पैदा हुआ। स्पेन में हाल के वर्षों में सृजित नौकरियों में लगभग 70 प्रतिशत नौकरियां प्रवासियों को मिली हैं। विदेशों में रहने वाले भारतीयों की संख्या लगभग 1.8 करोड़ है, जो दुनिया का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। यह आंकड़ा भारत की मानव संसाधन क्षमता को दर्शाता है लेकिन साथ ही यह भी संकेत देता है कि बड़ी संख्या में भारतीय बेहतर अवसरों की तलाश में विदेश जा रहे हैं।भारत और स्पेन की तुलना करने पर सबसे बड़ा अंतर जनसंख्या संरचना का दिखाई देता है। भारत की आबादी 140 करोड़ से अधिक है और इसकी लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या कार्यशील आयु वर्ग में आती है। इसे 'जनसांख्यिकीय लाभांश' कहा जाता है। इसके विपरीत स्पेन वृद्ध होती आबादी की समस्या से जूझ रहा है। जहां स्पेन को कामगारों की कमी है, वहीं भारत के सामने पर्याप्त रोजगार सृजित करने की चुनौती है। भारत में रोजगार की समस्या के कई कारण हैं। पहला कारण कौशल और उद्योग की आवश्यकता के बीच अंतर है। बड़ी संख्या में युवा डिग्री प्राप्त कर रहे हैं लेकिन उद्योगों को जिन तकनीकी और व्यावहारिक कौशलों की आवश्यकता है, वे अक्सर उपलब्ध नहीं होते। दूसरा कारण विनिर्माण क्षेत्र का अपेक्षाकृत धीमा विस्तार है। चीन ने करोड़ों लोगों को रोजगार देने के लिए विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत बनाया, जबकि भारत की अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत अधिक सेवा क्षेत्र आधारित रही है। तीसरा कारण कृषि पर अत्यधिक निर्भरता है। आज भी बड़ी संख्या में लोग कृषि में लगे हुए हैं, जबकि कृषि की आय सीमित है। चौथा कारण छोटे और मध्यम उद्योगों को पर्याप्त वित्त, तकनीक और बाजार न मिल पाना है। स्पेन की सफलता का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि उसने श्रम की कमी को अवसर में बदल दिया। भारत के पास इसके विपरीत श्रम की प्रचुरता है, जिसे आर्थिक शक्ति में बदलने की आवश्यकता है। भारत यदि अगले 2 दशकों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करना चाहता है तो उसे विनिर्माण, हरित ऊर्जा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स और कृषि आधारित उद्योगों पर विशेष ध्यान देना होगा। भारत में रोजगार सृजन के लिए सबसे पहले श्रम–प्रधान उद्योगों को बढ़ावा देना होगा। वस्त्र, चमड़ा, खिलौने, खाद्य प्रसंस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स असैंबली और फर्नीचर जैसे क्षेत्रों में लाखों रोजगार पैदा किए जा सकते हैं। दूसरा, कौशल विकास को उद्योगों की वास्तविक जरूरतों से जोडना होगा। तीसरा, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को सस्ता ऋण, सरल नियम और बेहतर बाजार उपलब्ध कराना होगा, क्योंकि भारत में रोजगार का बड़ा हिस्सा इन्हीं उद्योगों से आता है। चौथा, ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आधारित उद्योगों का विस्तार करना होगा। यदि फल, सब्जी, डेयरी, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा मिले तो ग्रामीण युवाओं को अपने क्षेत्र में ही रोजगार मिल सकता है। 5वां, पर्यटन क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। भारत की सांस्कृतिक, धार्मिक और प्राकृतिक विविधता दुनिया में अद्वितीय है। इससे करोड़ों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न हो सकते हैं। छठा, डिजिटल अर्थव्यवस्था और कृत्रिम बुद्धिमता के युग में भारत को वैश्विक सेवा केंद्र के रूप में अपनी स्थिति और मजबूत करनी होगी। सूचना प्रौद्योगिकी, डाटा विश्लेषण, साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में भारत विश्व स्तर पर रोजगार और सेवाएं उपलब्ध करा सकता है। सातवां, महिलाओं की श्रम भागीदारी बढ़ाना भी आवश्यक है, जिससे आध्थक विकास की गति और तेज हो सकती है। स्पेन की तुलना में भारत की चुनौती कहीं अधिक बड़ी और जटिल है। फिर भी, भारत के पास युवा शक्ति, विशाल बाजार, तकनीकी क्षमता और उद्यमिता जैसी अनेक ताकतें हैं। भविष्य की दृष्टि से देखा जाए तो भारत केवल अपने नागरिकों को ही नहीं, बल्कि अन्य देशों के लोगों को भी रोजगार देने की क्षमता विकसित कर सकता है। इसके लिए उच्च आध्थक वृद्धि, मजबूत विनिर्माण आधार, वैश्विक निवेश आकघ्षत करने वाली नीतियां और विश्व स्तरीय कौशल विकास प्रणाली आवश्यक होगी। यही वह लक्ष्य है जो भारत को आने वाले वर्षों में वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जा सकता है।

लोग सिर्फ ग्लैमर देखते हैं अनिता हसनंदानी ने साझा की करियर और टीवी की दुनिया से जुड़ी बातें

> सास-बहू से लेकर सुपरनैचुरल और ओटीटी तक, अनिता ने टीवी का हर दौर देखा है। लेकिन किसी ट्रेंड की आलोचना करने के बजाय वह खुद में आए बदलाव की बात करती हैं। अनीता कहती हैं, अगर एक चीज वापस नहीं आनी चाहिए, तो वो है खुद पर जरूरत से ज्यादा दबाव डालना।

करीब दो दशक से टीवी इंडस्ट्री का हिस्सा रहीं अनिता हसनंदानी ने छोटे पर्दे के कई दौर देखे हैं। सास–बहू सीरियल से लेकर ओटीटी तक का बदलाव देखा। बदलती हुई इंडस्ट्री के साथ उन्होंने खुद को भी बदला है। इन दिनों वह टीवी सीरियल श्तुम से तुम तकश में राजनंदिनी का किरदार निभा रही हैं। सीरियल 'तुम से तुम' में अनिता का किरदार राजनंदिनी अपने मन की बात को खुलकर कहता है। क्या असल जिंदगी में अनीता हसनंदानी भी ऐसी हैं। इस पर वह कहती हैं, 'मैं अपने बारे में ऐसा तो नहीं कहूंगी। मुझे लगता है कि जिंदगी में कोई भी पूरी तरह सॉर्टेड नहीं होता है। हां, मैं अपनी फीलिंग्स को लेकर हमेशा ईमानदार रही हूं। रिश्तों में मुझे बेवजह की उलझनें पसंद नहीं हैं। मुझे रिश्तों में साफगोई पसंद है। शायद यही वजह है कि मैं राजनंदिनी से भी तुरंत जुड़ गई। उसके अंदर एक गरिमा है, एक सादगी है। सास–बहू से लेकर सुपरनैचुरल और ओटीटी तक, अनिता ने टीवी का हर दौर देखा है। लेकिन किसी ट्रेंड की आलोचना करने के बजाय वह खुद में आए बदलाव की बात करती हैं। अनीता कहती हैं, अगर एक चीज वापस नहीं आनी चाहिए, तो वो है खुद पर जरूरत से ज्यादा दबाव डालना। पहले मैं छोटी–छोटी बातों पर बहुत परेशान हो जाती थी। अब समझ आया है कि प्रोसेस पर भरोसा रखना चाहिए। आखिर में ट्रेंड नहीं अच्छी कहानियां और अच्छा काम ही याद रहता है। टीवी इंडस्ट्री को लेकर सबसे बड़ी गलतफहमी क्या है? इस सवाल पर अनिता जवाब देती हैं, श्लोगों को लगता है कि रोज टीवी पर दिखते हैं, तो शायद यह आसान काम होगा। लेकिन इसके पीछे कितनी मेहनत होती है, इसका अंदाजा बहुत कम लोगों को है। लंबे वक्त तक शूटिंग, कम समय में तैयारी और लगातार इमोशनल सीन करना आसान नहीं होता है। लोग ग्लैमर देखते हैं लेकिन उसके पीछे का अनुशासन और मेहनत नहीं। 20 साल की अनिता को एक खास सलाह देने की वह करती हैं। वह कहती हैं, श्मैं उससे सिर्फ इतना कहूंगी कि रिलैक्स रहो। तुम सबकुछ ठीक कर रही हो। उस वक्त मैं खुद पर बहुत सख्त थी और छोटी–छोटी बातों को लेकर परेशान रहती थी। आज पीछे मुड़कर देखती हूं तो लगता है कि हर दौर ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया और उसी ने मुझे एक बेहतर इंसान बनाया है। करियर के इस पड़ाव पर अनिता को फेम से ज्यादा अच्छा काम करना है। वह कहती हैं, 'फेम अच्छी बात है और दर्शकों का प्यार मेरे लिए हमेशा खास रहेगा। लेकिन आज मुझे अच्छी स्क्रिप्ट, चुनौतीपूर्ण किरदार और नई कहानियां उत्साहित करती हैं। एक अच्छी टीम के साथ मिलकर कुछ अच्छा बनाना, मेरे लिए किसी भी फेम से ज्यादा खुशी की बात है।

राजकुमार हिरानी का ओटीटी डेब्यू रहा सुपरहिट, प्रीतम एंड पेड्रो बना वीकेंड पर मोस्ट व, पीएम शो

बड़े पर्दे पर देश की कुछ सबसे बेहतरीन कहानियां पेश करने वाले मशहूर फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी ने हाल ही में ओटीटी की दुनिया में अपना कदम रख दिया है। उनकी पहली स्ट्रीमिंग सीरीज प्रीतम एंड पेड्रो रिलीज हो चुकी है, जिसमें अरशद वारसी, विक्रांत मैसी, नए कलाकार वीर हिरानी, बोमन ईरानी और मोना सिंह मुख्य किरदारों में हैं। रिलीज के बाद से ही इस सीरीज को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। साइबर क्राइम, थ्रिलर और कॉमेडी के इसके नए और अनोखे कॉम्बिनेशन को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इस जबरदस्त रिस्पॉन्स का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह शो वीकेंड पर सबसे ज्यादा बिंज–वॉच (एक बार में पूरी सीरीज देखना) किया जाने वाला शो बनकर उभरा है, जिससे साफ है कि दर्शकों को राजकुमार हिरानी का यह नया अंदाज बेहद पसंद आ रहा है। गोवा के बैकड्रॉप पर सेट यह कहानी एक पुराने ख्यालात वाले पुलिस अफसर पेड्रो (अरशद वारसी) की है, जो टेक्नोलॉजी के मामले में थोड़ा कच्चे हैं। वे बड़े से बड़े साइबर क्राइम केसों को सुलझाने के लिए एक बेहद तेज दिमाग युवा हैकर प्रीतम (वीर हिरानी) के साथ हाथ मिलाते हैं। कहानी में रोमांच का तड़का तब और बढ़ जाता है जब विलेन के रूप में विक्रांत मैसी की एंट्री होती है। जैसे–जैसे यह जोड़ी डिजिटल फ्रॉड, हैकिंग और साइबर क्राइम के काले कारनामों की दुनिया में गहराई से उतरती है, वैसे–वैसे वे समय के साथ रेस लगाते हुए अपने अलग–अलग मिजाज और उलझे हुए केसों को सुलझाने की कोशिश करते हैं। प्रीतम एंड पेड्रो के लोगों का दिल जीतने की एक बड़ी वजह सिर्फ इसका अनोखा कॉन्सेप्ट ही नहीं है, बल्कि इसमें थ्रिल, कॉमेडी और इमोशंस का जो कमाल का बैलेंस है, वो भी है। एक डार्क और सीरियस क्राइम ड्रामा बनने के बजाय, यह सीरीज कहानी में बहुत ही नैचुरल तरीके से कॉमेडी को पिरोती है, जिससे यह शुरू से लेकर एंड तक जबरदस्त एंटरटेनिंग बनी रहती है। कहानी में लगातार आने वाले ट्विस्ट, तेज रफ्तार स्टोरीटेलिंग और उलझे हुए केसों की मजेदार जांच दर्शकों को पूरे समय बांधे रखती है।

अनुपम खेर ने अयोध्या के राम मंदिर में जाकर लिया रामलला का आशीर्वाद, शुरू की नई फिल्म श्री रामभूमि की शूटिंग

अनुपम खेर ने आज से अपनी आगामी फिल्म श्श्री रामभूमिश की अयोध्या में शूटिंग शुरू कर दी है। लेकिन फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले अनुपम ने रामलला का आशीर्वाद लिया और साथ ही कुछ खास तस्वीरें भी साझा की हैं। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर एक नई पोस्ट साझा की है। इस पोस्ट में अनुपम ने अयोध्या के प्रसिद्ध राम मंदिर से अपनी कई तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं। इन तस्वीरों में अनुपम बेहद खुश नजर आ रहे हैं। इस मौके पर उन्होंने श्री राम मंदिर में रामलला के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि उनकी नई फिल्म श्श्री रामभूमिश की शूटिंग आज से अयोध्या में शुरू हो गई है। आज शूटिंग का इसका पहला दिन है। इस पोस्ट के साथ अनुपम ने बताया कि उन्होंने यह आशीर्वाद अपने लिए, अपने परिवार और दोस्तों के लिए, अपनी फिल्म के लिए और अपने सभी चाहने वालों के लिए मांगा। अनुपम ने यह भी लिखा कि वहां जाकर उन्हें बहुत अच्छा लगा और बहुत सुखद अनुभव हुआ। उन्होंने देश–विदेश से आए हजारों राम भक्तों के साथ मिलकर जय श्री राम के नारे भी लगाए। फिल्म श्री रामभूमि को जी स्टूडियोज, डांसिंग शिवा फिल्म्स और सिनेकॉर्न एंटरटेनमेंट मिलकर बना रहे हैं। इस फिल्म में अनपम खेर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अनुपम के अलावा इस फिल्म में ऋत्विक भौमिक और अमृता खानविलकर भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन कामाख्या नारायण सिंह कर रहे हैं।

पंकज त्रिपाठी और 250 से ज्यादा डॉग्स के साथ आ रही है ओह माय डॉग, 31 जुलाई को होगी रिलीज

ओह माय गॉड 2 के निर्देशक अमित राय अपनी नई फिल्म ओह माय डॉग के साथ एक बार फिर दर्शकों के सामने हैं। फिल्म 31 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिलीज से पहले मेकर्स ने इसका पहला टीजर जारी किया है, जो एक बच्चे और उसके डॉग के बीच के अनोखे रिश्ते की भावुक झलक पेश करता है। बाबूलाल बायोस्कोप और थिंकिंग हैट्स एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्माण अमित राय, राजेश भारद्वाज और सना वारसी ने किया है। फिल्म में माही राय, पंकज त्रिपाठी, गीता अग्रवाल शर्मा, राजेश कुमार, पवन मल्होत्रा, सुलाख्याना बरुआ और विजय मिश्रा अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। वहीं ऑस्कर और ब्रूनो जैसे कैनाइन स्टार्स भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं। खास बात यह है कि फिल्म में 250 से अधिक कुत्ते नजर आएंगे, जो इसे और भी खास बनाते हैं। ओह माय डॉग एक पारिवारिक मनोरंजक फिल्म है, जो इंसानों और कुत्तों के बीच अटूट विश्वास, दोस्ती और निस्वार्थ प्रेम की कहानी बयां करती है। फिल्म सिर्फ मनोरंजन नहीं करती, बल्कि जानवरों के प्रति दया, संवेदनशीलता और सह–अस्तित्व का संदेश भी देती है। इसकी कहानी दर्शकों को यह एहसास कराती है कि प्रेम और अपनापन केवल इंसानों तक सीमित नहीं, बल्कि हर जीव के साथ जुड़ा हुआ है। टीजर की शुरुआत अमिताभ बच्चन के लोकप्रिय गीत मेरे पास आओ मेरे दोस्तों, एक किस्सा सुनो से होती है। यह गीत कहानी की मासूमियत और भावनात्मक गहराई को और प्रभावशाली बना देता है। टीजर में बच्चे और उसके डॉग के बीच का रिश्ता दिल को छू लेने वाला नजर आता है। फिल्म को लेकर निर्देशक अमित राय का कहना है कि कुत्ते निस्वार्थ प्रेम और वफादारी का सबसे सुंदर उदाहरण हैं। उन्होंने बताया कि ओह माय डॉग के जरिए उनकी कोशिश ऐसी कहानी कहने की रही है, जो दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ–साथ उन्हें भावनात्मक रूप से भी जोड़ सके। उनके अनुसार यह फिल्म हर जीव के प्रति प्रेम, करुणा और सम्मान का संदेश देती है। अमित राय का मानना है कि यदि फिल्म देखने के बाद लोग जानवरों के प्रति थोड़ा भी अधिक संवेदनशील बनते हैं, तो उनकी यह कोशिश सफल मानी जाएगी।

अक्षय कुमार की तारीफ में राजपाल ने पढ़े कसीदे, बताया इंडस्ट्री का सुनहरा सिक्का

हिंदी कॉमेडी फिल्मों की दुनिया में राजपाल यादव और अक्षय कुमार ऐसे दो नाम हैं, जो दशकों से दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचते रहे हैं। भूल भुलैया और खट्टा मीठा से लेकर इस साल की सुपरहिट हॉरर–कॉमेडी भूत बंगला तक, प्रियदर्शन ने उनकी बेहतरीन काबिलियत का इस्तेमाल किया है। फिल्म का जॉनर चाहे जो भी हो, दोनों ने दर्शकों को हंसाने का सिलसिला जारी रखा। वेलकम टू द जंगल में अक्षय और राजपाल दर्शकों को हंसा रहे हैं। जूम के साथ बातचीत में यादव ने इस मशहूर जोड़ी के बारे में प्रियदर्शन की कही बातें याद कीं। अक्षय के जुनून और लगन की तारीफ करते हुए, इस अनुभवी एक्टर ने उन्हें बॉलीवुड के इतिहास का सुनहरा सिक्का बताया। राजपाल यादव ने कहा कि प्रियदर्शन ने अक्षय और राजपाल की जोड़ी को एक खास नाम दिया है। उन्होंने कहा प्रियदर्शन ने एक ऐसी लाइन बोली कि मैं उसके सामने नतमस्तक हो गया। वो बोले– इतनी फिल्में करने के बाद मैं अक्षय और राजपाल को देखता हूं तो टॉम एंड जेरी की याद आती है। अक्षय टॉम है, राजपाल जेरी है। राजपाल यादव ने अक्षय कुमार की तारीफ करते हुए कहा श्मैं अक्षय की इज्जत करता हूं। उन्होंने प्रेरणा देने वाला काम किया है। अक्षय पा जी का कितना लंबा सफर है। अभी वेलकम टू द जंगल में भी, ऐसा लगता है कि किसी ने अभी काम शुरू किया है। वह हर तरह के काम के लिए तैयार रहते हैं। हमारे बॉलीवुड में कितने चमत्कारी अजूबे है, 100 साल की इंडस्ट्री में सुनहरे सिक्के हैं, अक्षय पा जी भी एक सुनहरे सिक्के हैं। वेलकम टू द जंगल में अक्षय कुमार राजीव नाम के एक ऐसे एक्टर का रोल निभा रहे हैं, जो कभी स्टार हुआ करते थे लेकिन करियर में गिरावट के बाद अब उन्हें अपना स्टारडम बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। राजपाल एक ऐसे डायरेक्टर का रोल कर रहे हैं, जिन्हें फिल्म बनाने के बारे में जरा भी जानकारी नहीं है। इस फिल्म के डायरेक्टर अहमद खान हैं।

ग्रेसी से हैं परेशान तो अपनाएं ये नुस्खे, चुटकियों में बालों की चिपचिपाहट होगी दूर

इस मौसम में गर्म हवाएं, पसीना और त्वचा में चिपचिपाहट के चलते बालों के स्कैल्प में भी बहुत ज्यादा पसीना आता है और बाल भी चिपचिपे हो जाते हैं। पसीना और ऑयली बालों के चलते ये खुले हुए भी अच्छे नहीं लगते हैं। ऐसा लगता है कि जैसे बालों की खूबसूरती कहीं गुम सी हो गई है। ऐसे में यहां बताए कुछ आसान से टिप्स बालों की चिपचिपाहट दूर करने हो जाएगी और आप इसे मन चाहे तरीके से डिजाइन कर पाएंगे...

टमाटर का हेयर मास्क

बालों से एक्सट्रा ऑयल हटाने के लिए हफ्ते में एकबार टमाटर का हेयर मास्क लगाएं। टमाटर से स्कैल्प का पीएच लेवल बैलेंस हो जाता है। हेयर मास्क बनाने के लिए टमाटर के गूदे में मुल्तानी मिट्टी मिलाकर पेस्ट तैयार करें और आधा घंटा लगाए और फिर उसे धो लें। इसे बालों की चिपचिपाहट दूर हो जाएगी।

एलोवेरा जैल

एलोवेरा जैल का इस्तेमाल सिर्फ स्किन केयर के लिए ही नहीं बल्कि बालों ,से ऑयल हटाने के लिए भी होता है। इसके लिए आप एलोवेरा जैल में टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदे डालकर मास्क बनाएं और बालों पर 15 मिनट बाद धो दें।

मुल्तानी मिट्टी

बालों पर मुल्तानी मिट्टी तो दादी– नानी मां के जमाने के नुस्खा है। इससे आपके बालों का ऑयल कंट्रोल तो होता ही है, साथ में बालों की ग्रोथ भी होती है। आप बस मुल्तानी मिट्टी में आधा नींबू का रस और जरूरत के अनुसार पानी डालकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को बालों पर कुछ देर के लिए लगाएं और फिर साफ पानी से सिर धो लें। आपके बालों से एक्सेस ऑयल निकल जाएगा।

ग्रीन टी

सेहत ही नहीं बालों की केयर करने में भी ग्रीन टी बहुत फायदेमंद है। ग्रीन टी का हेयर मास्क बनाने के लिए सबसे पहले एक कप ग्रीन टी बनाएं और इसे ठंडा होने के लिए रख दें। अब ग्रीन टी को बालों की जड़ों से सिरों तक अच्छी तरह लगा लें। इसे बालों पर 30 से 40 मिनट लगाकर रखने के बाद धो लें। हफ्ते में एक से 2 बार इसे लगाया जा सकता है।

एथनिक से लेकर वेस्टर्न तक में दिखना है क्लासी, तो ये नेकपीस करें कैरी, मिलेगा परफेक्ट लुक

महिलाएं हर उम्र में ज्वेलरी पहनने और खरीदने का शौक रखती है। एक समय पर महिलाएं हैवी ज्वेलरी पहनती थीं। तब

हैवी ज्वेलरी का चलन था। लेकिन वर्तमान समय में ऐसी ज्वेलरी ट्रेंड में हैं जो आप एथनिक के साथ ही वेस्टर्न के साथ भी कैरी कर सकती हैं। यह ज्वेलरी महिलाओं को भी काफी ज्यादा पंसद आ रही हैं। यही वजह है कि अब हैवी ज्वेलरी की जगह महिलाएं हल्की ज्वेलरी लेना पसंद करती हैं। ताकि उसे पहनकर उन्हें उलझन न महसूस हो।

हालांकि तरह–तरह के आउटफिट के हिसाब से मार्केट में कई तरह की ज्वेलरी भी आसानी से मिल जाती है। ऐसे में आप अपने आउटफिट के हिसाब से नेकपीस कैरी कर सकती हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे नेकपीस के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसे आप किसी भी ड्रेस के साथ कैरी कर सकते हैं। इन नेकपीस को आप एथनिक के साथ वेस्टर्न ड्रेस के साथ भी कैरी कर सकते हैं।

चोकर

आजकल लड़कियां चोकर पहनना काफी ज्यादा पसंद करती हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि यह न सिर्फ साड़ी आदि के साथ बल्कि जींस–टॉप और मैक्सी ड्रेस के साथ भी पहना जा सकता है। यह पहनने में भी काफी हल्का होता है।

मल्टी लेयर नेकलेस

अगर आप भी डीप नेक का ब्लाउज और टॉप कैरी करना पसंद करती हैं तो इसके साथ आप मल्टी लेयर नेकलेस आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेगा। क्योंकि इससे आपका गला भरा–भरा रहता है। साथ ही यह आपके लुक को बोल्ड बनाता है।

अमेरिकन डायमंड नेकलेस

अमेरिकन डायमंड नेकलेस देखने में काफी ज्यादा क्लासी लगते हैं। इसे आप न सिर्फ वेस्टर्न बल्कि ट्रेडिशनल आउटफिट के साथ भी कैरी कर सकती हैं। यह आपके लुक को कैजुअल और क्लासी बनाता है।

मल्टी कलर नेकलेस

आज–कल महिलाएं मल्टी कलर नेकलेस पहनना काफी ज्यादा पसंद कर रही हैं। इसे आप सूट पर भी कैरी कर सकती हैं। यह आपको क्लासी लुक देने का काम करता है। वहीं सिंपल साड़ी के साथ इसे पहनने से यह आपको अलग लुक देता है।

प्रेग्नेंसी में हो रही मॉर्निंग सिकनेस से हैं परेशान तो आज ही बरतें ये सावधानियां

गर्भावस्था एक ऐसा समय है जिस दौरान महिलाओं के शरीर में कई सारे बदलाव होते हैं। खासकर सुबह उठते ही मॉर्निंग सिकनेस सबसे ज्यादा परेशान करती है। सुबह उठते ही मतली और उल्टी जैसा महसूस होता है। शरीर में यह बदलाव घंटों घंटों या फिर सारी रात तक रह सकते हैं। ऐसे में इससे बचने के लिए आपको अपनी दिनचर्या में बदलाव करने चाहिए, इसके अलावा अपना ध्यान रखना चाहिए। इससे आप धीरे–धीरे मॉर्निंग सिकनेस से धीरे–धीरे आराम पा सकेंगे। इसके अलावा प्रेग्नेंसी में न्यूट्रिशन डाइट को लेकर कुछ आदतें आपके लिए समस्या खड़ी कर सकती हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कि इस दौरान आपको किन–किन आदतों को फॉलो करना चाहिए और कैसे अपना ध्यान रखना चाहिए...

सिर्फ अपने ही नहीं बच्चे के लिए भी खाएं

प्रेग्नेंसी में आप जो भी खाती हैं वह बच्चे को भी लगता है ऐसे में वहीं चीजों का सेवन करें जो बॉडी की जरुरतें पूरी कर सकें। आपको सिर्फ अपने ही नहीं बच्चे की ग्रोथ के लिए भी खाना है इसका मतलब यह नहीं है कि खाना आप जरुरत के अनुसार ही खाएं। खासकर अगर गर्भावस्था में आपका वजन बढ़ना जेस्टेशनल डायबिटीज का कारण बन सकता है। इसके अलावा हाई ब्लड प्रेशर, प्रीक्लेपेसिया जैसी समस्याएं भी खड़ी कर सकता है। अमेरिकन एक्सपर्ट्स के अनुसार, प्रेग्नेंसी के पहले ट्राइमेस्टर में शरीर में को ज्यादा कैलोरीज की जरुरत होती है। वहीं छोटे बच्चे को भी खाना एक मां के जरिए ही होता है।

हालांकि अगर आप मॉर्निंग सिकनेस से जूझ रही हैं तो इसका कारण यह नहीं कि आपने कुछ खाया नहीं आपको अपने आप को यह समझाने की ज्यादा जरुरत है कि आपकी बॉडी को वह सारे पोषक तत्व मिल रहे हैं तो आपके बेबी को चाहिए। वहीं प्रेग्नेंसी के दूसरे ट्राइमेस्टर में बच्चा बड़ा हो जाता है जिसके कारण शरीर को ज्यादा एनर्जी की जरुरत पड़ती है वहीं इस स्टेज पर शरीर को एनर्जी की ज्यादा जरुरत होती है, वहीं 300 के सीएल एनर्जी दिन की ज्यादा जरुरी होती है (300 ाबंस)। इसी एनर्जी के जरिए बच्चे की ग्रोथ होती है। दिन में इतनी एनर्जी लेना कुछ ज्यादा नहीं है। इतनी एनर्जी आप सिर्फ एक कप दही और चिकन को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। वहीं प्रेग्नेंसी के तीसरे ट्राइमेस्ट में बच्चा और भी ज्यादा बढ़ जाता है और उसे ज्यादा कैलोरीज की जरुरत पड़ती है। दिन में आपको 300–500 केसीएल(ाबंस) स्नेक्स जरुरी है। वहीं अगर आपके ट्विन्स होने वाले हैं तो आपको अपनी डाइट भी बढ़ानी होगी।

वजन बढ़ने के चक्कर में कम कैलोरीज खाना

प्रेग्नेंसी में आपको यह देखने की जरुरत नहीं है कि कैलोरीज की वजह से आपका वजन बढ़ेगा। ज्यादातर आपको न्यूट्रिशन पर ध्यान देने की जरुत है इसके अलावा खाना की मात्रा बढ़ाएं। आप अपनी डाइट में मीट, डेयरी प्रोडक्ट्स, जरुरी फैट्र और ग्रेन्स जैसे फूड्स, फ्रेश फल और सब्जियां शामिल कर सकते हैं। वहीं खाने में आप प्रोसेस्ड , शुगर फूड्स और ड्रिंक्स का सेवन कम कर दें। अगर आपको लग रहा है कि इन सबका सेवन करके आपकी हैल्थ खराब हो रही है तो एक बार एक्सपर्ट्स को जरुर दिखाएं और उनकी सलाह जरुर लें।

मॉर्निंग सिकनेस के कारण तनाव लेना

मॉर्निंग सिकनेस के कारण अगर आप नर्वस होती हैं तो इससे आपको यह डर सता सकता है कि शरीर में न्यूट्रिशन की कमी हो जाएगी। वहीं बीमारी के चलते कार्बोहाइड्रेट्स, प्रोटीन और सब्जियां शरीर में जाकर समस्या खड़ी कर सकती हैं। ऐसे में मॉर्निंग सिकनेस से जूझने का सबसे आसान तरीका है कि आप एक अच्छी दिनचर्या ने अपनी डेली रुटीन शुरु करें। स्टीम्ड वेजिटेबल्स, पास्ता, चिकन और सफेद मछली आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। वहीं अगर आपकी सिकनेस पहले ट्राइमेस्टर में बढ़ती है तो आप एक बार एक्सपर्ट्स से इसके बढ़ने लक्षणों पर सलाह जरुर लें।

जिम के दौरान लें अच्छी डाइट

प्रेग्नेंसी में अपने शरीर और माइंड को स्वस्थ रखने की कोशिश करें। वहीं अगर आप जिम जाते हैं तो अपने साथ स्नेक्स लेकर जाएं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, प्रेग्नेंसी में महिलाओंको अपने साथ प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स के स्नेक्स एक्सरसाइज के 30 मिनट पहले और एक्सरसाइज करने के 30 मिनट बाद खाएं इससे आपके शरीर को एनर्जी मिलती रहेगी। इसके अलावा हाई प्रोटीन ,कार्बोहाइड्रेट्स जैसे दही, केला और पीनट बटर आप खा सकते हैं। फलों में पाए जाने वाले कॉम्पलेक्स कार्बोहाइड्रेट्स आपके शरीर को एनर्जी देने में मदद करेंगे। वहीं प्रोटीन का नियमित सेवन शरीर में कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा कम करके आपके शरीर में एनर्जी स्टोर करेगा जो वर्कआउट के दौरान रिलीज हुई होगी।

क्या आपके बच्चों के मसूड़ों में हो गई है सूजन तो ये उपाय आएंगे बड़े काम

मसूड़े में छोटे–छोटे सॉफ्ट टिश्यूज होते हैं जिनमें कभी–कभी सूजन आने लगती है। बड़े तो यह दर्द सह लेते हैं लेकिन छोटे बच्चों को यह समस्या कई परेशानियां खड़ी कर देती है। खासकर शिशु को मसूड़ों में दिक्कत तब होती है जब उनके दांत आने लगते हैं। इसके कारण शिशु काफी परेशान भी रहते हैं। ऐसे में पेरेंट्स बच्चे की ऐसी हालत देख और चिंता करने लगते हैं। आज आपको कुछ ऐसे आसान से तरीके बताते हैं जिनके जरिए आप बच्चों को इस समस्या से राहत दिलवा सकते हैं...

इन कारणों से होती है शिशु के मसूड़ों में सूजन

शिशु के मसूड़ों में सूजन सिर्फ दांत निकलने के कारण नहीं बल्कि गिरने या फिर चोट लगने के कारण भी होने लगती है।

इसके अलावा अगर शिशु किसी वायरस की चपेट में हो या कोई दवाई ले रहे हों तो भी उनके मसूड़ों में सूजन आने लगती है।

ये उपाय आएंगे काम

अगर शिशु के दांत में सूजन ज्यादा हो गई है तो आप उनकी ठंडी सिकाई करें। साफ कपड़े को ठंडे पानी में भिगोएं। इसके बाद निचोड़कर कपड़ा शिशु के मसूड़ों पर लगाएं। इससे उन्हें सूजन से काफी आराम मिलेगा।

नमक वाले पानी के गरारे

अगर आपके बच्चे पानी पीते हैं तो उन्हें आप नमक वाले पानी के गरारे करवाएं। इस तरीके से भी उन्हें मसूड़ों की सूजन से काफी आराम मिलेगा।

अच्छे से करवाएं मुंह साफ

इसके अलावा बच्चे की ओरल हेल्थ का ध्यान रखें। बच्चे के दांत और मुंह को अच्छे से साफ करें। बच्चे के दांत कम हों तो भी उन्हें टूथब्रश जरुर करवाएं। इसे शिशु के मसूड़ों की सूजन कम होगी।

टिथिंग रिंग करे इस्तेमाल

मार्केट में कई सारी टिथिंग रिंग आपको मिल जाएंगे। ऐसे में आप इन्हें देकर बच्चों के मसूड़ों की सूजन कम कर सकते हैं। बच्चे जैसे ही इस रिंग को चबाएंगे उनकी सूजन कम होने लगेगी। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि शिशु को लिक्विड बेस्ड टिथिंग रिंग बिल्कुल न दें।

इस बात का भी रखें ध्यान

. अगर शिशु को मसूड़ों में समस्या होती है तो अपनी मर्जी से कोई भी दवाई न दें।

. अगर मसूड़ों में सूजन ज्यादा हो रही है और इसके कारण शिशु को बुखार हो रहा है तो एकबार डॉक्टर को जरुर दिखाएं।

. इसके अलावा अगर शिशु को मसूड़ों की समस्या है तो उन्हें नमक या फिर चीनी वाला भोजन सीमित मात्रा में ही दें। शिशु को पानी भी सीमित मात्रा में ही पिलाएं।

प्रेग्नेंसी के दौरान जरूर लगवाएं ये टीका, जन्म के 6 माह तक सुरक्षित रहेगा आपका बच्चा

महामारी के शुरुआती दिनों से ही यह स्पष्ट हो गया था कि गर्भावस्था में कोविड–19 संक्रमण गंभीर हो सकता है। दुनिया भर के सैकड़ों अध्ययनों से लगातार पता चलता रहा कि गर्भावस्था के दौरान कोविड –19 का संक्रमण होने पर अन्य कोवि–19 रोगियों की तुलना में गहन देखभाल इकाइयों (आईसीयू)में भर्ती होने, इनवेसिव वेंटिलेशन, प्रीक्लेम्पसिया और मृत्यु का काफी अधिक जोखिम रहता है।

चौंकाने वाले हैं आंकड़े

आंकड़े बताते हैं कि गर्भावस्था में कोविड–19 संक्रमण के कारण आईसीयू में प्रवेश का पांच गुना अधिक जोखिम और मातृ मृत्यु का 22 गुना अधिक जोखिम है। भ्रूण के लिए भी काफी जोखिम हैं, जिनमें समय से पहले प्रसव, जन्म के समय कम वजन के साथ–साथ मृत शिशु का जन्म और नवजात की मृत्यु जैसे गंभीर परिणाम शामिल हैं। अध्ययनों से पता चला है और इसमें ज्यादा आश्चर्य की बात नहीं है कि मृत शिशु जन्म और नवजात मृत्यु मुख्य रूप से उन लोगों में हुई जिन्हें संक्रमण के समय सार्स–कोव–2 के खिलाफ टीका नहीं लगाया गया था।

टीका लगवाने से हिचक रहे लोग

इसी अध्ययन से यह भी पता चला है कि कोविड–19 संक्रमण के कारण गर्भावस्था में अस्पताल में भर्ती होने वाले 90 प्रतिशत और गंभीर देखभाल वाले अस्पताल में भर्ती होने वाले 98 प्रतिशत लोग भी बिना टीकाकरण वाले थे। गर्भावस्था में कोविड –19 संक्रमण के जोखिमों पर भारी डेटा के बावजूद, कई लोग सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अभी भी टीका लगवाने से हिचक रहे हैं। विश्व स्तर पर, कई मेटा–विश्लेषणों ने पुष्टि की है कि गर्भवती महिला या शिशु में प्रतिकूल परिणामों के उच्च जोखिम का कोई सबूत नहीं है। गर्भावस्था में दिए गए कोविड–19 वैक्सीन के साथ गर्भपात, समय से पहले प्रसव, प्लेसेंटल एबॉर्शन, प्रसवोत्तर रक्तस्राव, मातृ मृत्यु, जन्म के समय कम वजन या नवजात के गहन देखभाल इकाई में प्रवेश जैसा कुछ नहीं पाया गया।

टीकाकरण का यह है लाभ

वास्तव में, इनमें से अधिकांश अध्ययनों में पाया गया कि टीकाकरण ने सकारात्मक स्वास्थ्य परिणाम पेश किएरू जिन लोगों को टीका लगाया गया था, उनमें मृत शिशु जन्म, समय से पहले जन्म और नवजात गहन देखभाल इकाई में प्रवेश का जोखिम कम था और अपगार स्कोर अधिक अनुकूल था। प्लेसेंटा में एंटीबॉडी के स्थानांतरण से शिशुओं की सुरक्षा कई अध्ययनों ने मातृ टीकाकरण के बाद गर्भनाल रक्त में सार्स–कोव–2 एंटीबॉडी की उपस्थिति का दस्तावेजीकरण किया है। यह पुष्टि करता है कि टीकाकरण का एक अतिरिक्त लाभ है, सार्स–कोव–2 आईजीजी एंटीबॉडीज – जो रक्त में पाए जाने वाले सबसे आम प्रकार के एंटीबॉडी हैं, और संक्रमण से बचाते हैं – मां से भ्रूण तक प्लेसेंटा में स्थानांतरित होते हैं, खासकर जब टीकाकरण गर्भावस्था की तीसरी तिमाही में होता है।

बच्चे को मिलती है सुरक्षा

हाल के अध्ययनों से पता चला है कि भ्रूण में स्थानांतरित ये आईजीजी एंटीबॉडी जन्म के बाद कई महीनों तक बच्चे में रह सकते हैं। एक अध्ययन से पता चला है कि टीका लगाने वाली माताओं से पैदा हुए 57 प्रतिशत शिशुओं में छह महीने में पता लगाने योग्य एंटीबॉडी थे। रुग्णता और मृत्यु दर साप्ताहिक रिपोर्ट (एमएमडब्ल्यूआर) में प्रकाशित रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि गर्भावस्था के दौरान कोविड–19 एमआरएनए टीकाकरण छह माह से कम आयु वर्ग के शिशुओं में कोविड घ्घ्घ्–19 संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होने से रोकने में 61 प्रतिशत प्रभावी था। ओंटारियो से हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन में गर्भावस्था में एमआरएनए कोविड–19 टीकाकरण करवाने वाली माताओं के छह महीने से कम उम्र के शिशुओं में डेल्टा और ओमिक्रॉन वेरिएंट के खिलाफ प्रभावशीलता का आकलन किया गया। अध्ययन में पाया गया कि जिन मांओं ने दोनो टीके लगवाए थे उनके शिशुओं की कोविड संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होने के खिलाफ प्रभावशीलता डेल्टा संस्करण के लिए 97 प्रतिशत और ओमिक्रॉन के लिए 53 प्रतिशत थी। बच्चों में कोविड–19 से संबंधित संक्रमण आम तौर पर हल्के होते हैं, इसमें काफी परिवर्तनशीलता होती है और बहुत कम बच्चों को मध्यम या गंभीर बीमारी होती है।

संक्षिप्त

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन वनडे के लिए वेस्टइंडीज टीम का एलान, 19 वर्षीय गेंदबाज को मिला मौका

एंटीगुआ,एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की वनडे सीरीज के पहले तीन मुकाबलों के लिए वेस्टइंडीज क्रिकेट ने 15 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। 19 वर्षीय युवा स्पिन गेंदबाज विटेल लॉज को पहली बार टीम में शामिल किया गया है। विटेल लॉज ने मौजूदा घरेलू सीजन से पहले आयोजित तैयारी शिविर में सीनियर टीम के साथ भी अभ्यास किया था। उन्होंने इस साल हुए आईसीसी अंडर–19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 विकेट अपने नाम किए थे। इसके साथ ही पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा डॉट गेंदें फेंकने का रिकॉर्ड भी उनके नाम रहा। इंटरनेशनल क्रिकेट के स्तर पर खुद को बेहतर तरीके से ढालने में इस युवा खिलाड़ी की मदद के लिए स्पिन गेंदबाजी कोच निकिता मिलर को सीरीज के गुयाना चरण के लिए टीम मैनेजमेंट में शामिल किया गया है। वह अब इस खिलाड़ी के साथ मिलकर उसकी गेंदबाजी को और निखारने तथा इंटरनेशनल क्रिकेट की चुनौतियों के लिए तैयार करने का काम करेंगे।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलने वाले ज्यादातर खिलाड़ियों को ही स्क्वॉड में रखा गया है। हालांकि, शिमरोन हेटमायर मेजर लीग में हिस्सा लेने की वजह से इस सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। वहीं, मां के निधन के कारण ऑलराउंडर शमार स्प्रिंगर ने इस सीरीज से अपना नाम वापस ले लिया है। स्प्रिंगर की जगह पर कीमो पॉल को वनडे टीम में शामिल किया गया है। हेड कोच डैरेन सैमी ने कहा कि न्यूजीलैंड सीरीज 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से वेस्टइंडीज के लिए अहम सीरीज होगी। उन्होंने कहा, ₹50 ओवर के वर्ल्ड कप से पहले हम यहां से जो भी सीरीज खेलेंगे, हम उन्हें जरूरी जीत के तौर पर देखेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच हमें एक वनडे यूनिट के तौर पर अपने सुधार को जारी रखने और कैरिबियन के लोगों के लिए और ज्यादा मैच जीतने का सबसे अच्छा मौका देते हैं।₹ श्रीलंका के खिलाफ एंटीगुआ में टेस्ट सीरीज खत्म होने के बाद 8 जुलाई को टीम गुयाना में एकत्रित होगी। वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 11 जुलाई को खेला जाना है, जबकि दूसरा मैच 13 और तीसरा एकदिवसीय मुकाबला 16 जुलाई को खेला जाएगा। शुरुआती तीनों वनडे मुकाबलों की मेजबानी गुयाना का प्रोविडेंस स्टेडियम करेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन वनडे मैचों के लिए न्यूजीलैंड का स्क्वॉडरु शाई होप (कप्तान), एकीम ऑगस्टे, जॉन कैंपबेल, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रीव्स, आमिर जंगू, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, विटेल लॉज, गुडाकेश मोटी, कीमो पॉल, शेरफेन रदरफोर्ड और जेडन सील्स।

विंबलडन के सबसे लंबे क्वार्टर फाइनल मैच को जीतकर सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच, सिनर से होगी भिड़ंत

लंदन,एजेंसी। नोवाक जोकोविच ने विंबलडन में अब तक के सबसे लंबे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। वह विंबलडन में लगातार आठवीं बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। पांच घंटे और 15 मिनट तक चले मुकाबले में जोकोविच ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फेलिक्स ऑगर–अलियासिमे को 7–6(10), 3–6, 6–3, 6–7(4), 7–6(10–4) से हराया। जोकोविच अपने करियर में 55वीं बार ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इसके साथ ही जोकोविच ने विंबलडन के सेमीफाइनल में रिकॉर्ड 15वीं बार जगह बनाई है। जोकोविच ने अपने पहले विंबलडन सेमीफाइनल के 19 साल बाद एक बार फिर अंतिम चार में जगह बनाई है। 39 साल और 51 दिन की उम्र में वह ओपन एरा में विंबलडन सेमीफाइनल में पहुंचने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे आगे सिर्फ ऑस्ट्रेलिया के केन रोजवेल हैं, जिन्होंने 1974 में 39 साल 246 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चौंपियन जोकोविच ने इस मुकाबले में अनुभव और धैर्य का शानदार उदाहरण पेश किया। मैच के दौरान उन्हें पिंडली की चोट के कारण मेडिकल टाइमआउट भी लेना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और आखिरी सेट में जबरदस्त वापसी करते हुए जीत हासिल की। क्वार्टर फाइनल में जोकोविच ने ऑगर–अलियासिमे के बैकहैंड को लगातार निशाना बनाया और अपनी रणनीति के साथ आगे बढ़े। हालांकि, कनाडा के खिलाड़ी अलियासिमे ने उन्हें कड़ी चुनौती दी और मुकाबले को पांचवें सेट के टाई–ब्रेकर तक पहुंचाया। आखिर में जोकोविच अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए मैच को अपने नाम करने में सफल रहे। इस जीत के साथ जोकोविच ने विंबलडन में शीर्ष–10 खिलाड़ियों के खिलाफ लगातार तीन हार का सिलसिला भी खत्म किया। इससे पहले वह 2023 और 2024 के फाइनल में कार्लोस अल्काराज से और पिछले साल सेमीफाइनल में यानिक सिनर से हार गए थे। अब सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना इटली के यानिक सिनर से होगा। सिनर ने पिछले साल विंबलडन के सेमीफाइनल में जोकोविच को हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह बनाई थी।

क्या संजू सैमसन के लिए टीम इंडिया के दरवाजे बंद हो गए हैं? गौतम गंभीर के बयान से मिले संकेत

लंदन,एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में लगातार प्लेइंग–11 से बाहर रहने और जिम्बाब्वे दौरे की टीम में जगह नहीं मिलने के बाद संजू सैमसन के भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने साफ कर दिया है कि विकेटकीपर बल्लेबाज को उनकी भूमिका को लेकर पूरी स्पष्टता दे दी गई है और मौजूदा सीरीज में उनकी वापसी की संभावना भी खत्म नहीं हुई है। भारत को तीसरे टी20 मुकाबले में 125 रन से करारी हार मिलने के बाद गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैमसन के भविष्य पर खुलकर बात की। गौतम गंभीर ने कहा कि सैमसन से उनकी व्यक्तिगत बातचीत हो चुकी है और उन्हें टीम प्रबंधन का रुख साफ तौर पर बता दिया गया है। उन्होंने कहा, संजू सैमसन को जितनी स्पष्टता दी जानी चाहिए थी, वह मैंने उन्हें दे दी है। वह बातचीत एक मुख्य कोच और खिलाड़ी के बीच हुई है। उस बातचीत में क्या कहा गया, यह मैं सार्वजनिक रूप से साझा नहीं करूंगा। गंभीर ने सैमसन के योगदान की तारीफ करते हुए कहा कि टीम प्रबंधन उनके प्रदर्शन को नजरअंदाज नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा, हम पूरी तरह स्पष्ट हैं कि संजू ने भारत के लिए, खासकर विश्व कप के दौरान, शानदार प्रदर्शन किया है। लेकिन कई बार किसी खिलाड़ी की मौजूदा फॉर्म को भी देखना पड़ता है। ऐसा कोई सख्त नियम नहीं है कि वह इस सीरीज में वापसी नहीं कर सकते। टी20 विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे संजू सैमसन को आयरलैंड के खिलाफ और इंग्लैंड के पहले टी20 में क्रमशः 5, 0 और 1 रन की पारियों के बाद प्लेइंग–11 से बाहर कर दिया गया। उनकी जगह 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया गया। इसके अलावा जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी चयनकर्ताओं ने सैमसन की जगह प्रभसिमरन सिंह को चुना, जिन्होंने आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। गंभीर ने स्पष्ट किया कि टीम चयन सिर्फ नाम या पिछले प्रदर्शन के आधार पर नहीं होगा, बल्कि मौजूदा फॉर्म और सर्वश्रेष्ठ संयोजन को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा, आखिरकार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा मायने नतीजों के होते हैं। हमें जो संयोजन टीम को जीत दिलाने के लिए सबसे बेहतर लगता है, हम उसी संयोजन और उसी प्लेइंग–11 के साथ उतरते हैं। उन्होंने आगे कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि हर खिलाड़ी को अपनी जगह खुद अर्जित करनी होती है। भारत के लिए खेलने का अधिकार भी प्रदर्शन के दम पर ही मिलता है। गंभीर के इस बयान से साफ है कि संजू सैमसन को टीम प्रबंधन ने पूरी स्थिति समझा दी है। हालांकि फिलहाल उन्हें बाहर रखा गया है, लेकिन अगर उनकी फॉर्म और टीम की जरूरतें मेल खाती हैं तो इंग्लैंड सीरीज में भी उनकी वापसी संभव है।

मिस्र के खिलाफ दमदार वापसी पर क्या बोले अर्जेंटीना के कोच ? मेसी को बताया टीम की सबसे बड़ी प्रेरणा

अटलांटा,एजेंसी। अर्जेंटीना ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ–16 मुकाबले में मिस्र को 3–2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। इस जीत के बाद टीम के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा कि इस मुकाबले ने उनकी टीम के असली चरित्र और मजबूत विश्वास को दुनिया के सामने रखा। अर्जेंटीना एक समय मुकाबले में 0–2 से पीछे था, लेकिन अंतिम 11 मिनट में तीन गोल दागकर उसने यादगार जीत दर्ज की। स्कालोनी ने कहा कि यह जीत सिर्फ नॉकआउट मुकाबला जीतने तक सीमित नहीं थी। उनके मुताबिक, टीम ने साबित किया कि वह कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानती और आखिरी पल तक संघर्ष करती है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने कुछ समय के लिए समर्थकों की धड़कनें जरूर बढ़ा दी थीं, लेकिन जिस अंदाज में टीम ने वापसी की, वही सबसे अहम बात रही। उनके अनुसार, ऐसे ही मुकाबलों में टीम की असली पहचान सामने आती है। मुकाबले की शुरुआत मिस्र ने शानदार अंदाज में की और शुरुआती दो गोल करके अर्जेंटीना को दबाव में ला दिया। ऐसा लग रहा था कि मौजूदा विश्व चौंपियन को हार का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, अर्जेंटीना ने हार नहीं मानी। 79वें मिनट में क्रिस्टियन रोमेरो ने पहला गोल कर वापसी की शुरुआत की। इसके बाद कप्तान लियोनेल मेसी ने 83वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। स्टॉपेज टाइम में एन्जो फर्नांडीज ने निर्णायक गोल करके टीम को 3–2 की यादगार जीत दिला दी।

स्कालोनी ने कहा कि उन्हें कभी नहीं लगा कि मुकाबला पूरी तरह हाथ से निकल चुका है। उनके अनुसार, अर्जेंटीना ने पूरे मैच में कई मौके बनाए, लेकिन शुरुआती दौर में उन्हें गोल में बदलने में सफलता नहीं मिली। उन्होंने मिस्र की टीम की भी तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने अपने मिले मौकों का शानदार फायदा उठाया। कोच ने स्वीकार किया कि अर्जेंटीना का प्रदर्शन पिछले नॉकआउट मुकाबले की तुलना में काफी बेहतर रहा। उन्होंने कहा कि दो गोल से पीछे होने के बावजूद खिलाड़ियों को भरोसा था कि वे वापसी कर सकते हैं। स्कालोनी ने लियोनेल मेसी की खास तौर पर तारीफ की। उन्होंने कहा कि पहले हाफ में पेनल्टी चूकने के बावजूद मेसी ने आत्मविश्वास नहीं खोया। वह लगातार गेंद मांगते रहे और टीम को आगे बढ़ाने की कोशिश करते रहे। उनके मुताबिक, मेसी पूरी टीम के लिए प्रेरणा हैं। मैच खत्म होने के बाद अर्जेंटीना के खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के बीच भावुक पल देखने को मिले। स्कालोनी और मेसी दोनों की आंखों में आंसू थे। स्कालोनी ने कहा कि फुटबॉल ऐसे ही भावनात्मक पलों का खेल है। उन्होंने बताया कि करीब 20 साल तक फुटबॉल खेलने के दौरान उन्होंने कई यादगार मुकाबले देखे हैं और ऐसी भावनाएं ही खिलाड़ियों व कोचों को इस खेल से जोड़े रखती हैं। उनका मानना है कि मिस्र के खिलाफ मिली यह जीत अर्जेंटीना के आत्मविश्वास को और मजबूत करेगी तथा टीम का संघर्ष करने वाला रवैया आने वाले मुकाबलों में उसकी सबसे बड़ी ताकत साबित होगा।

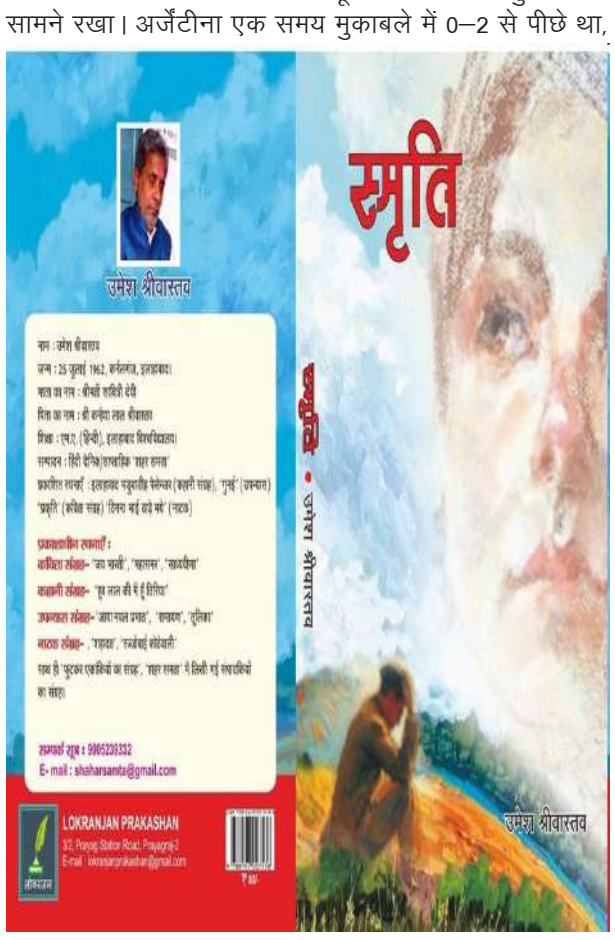

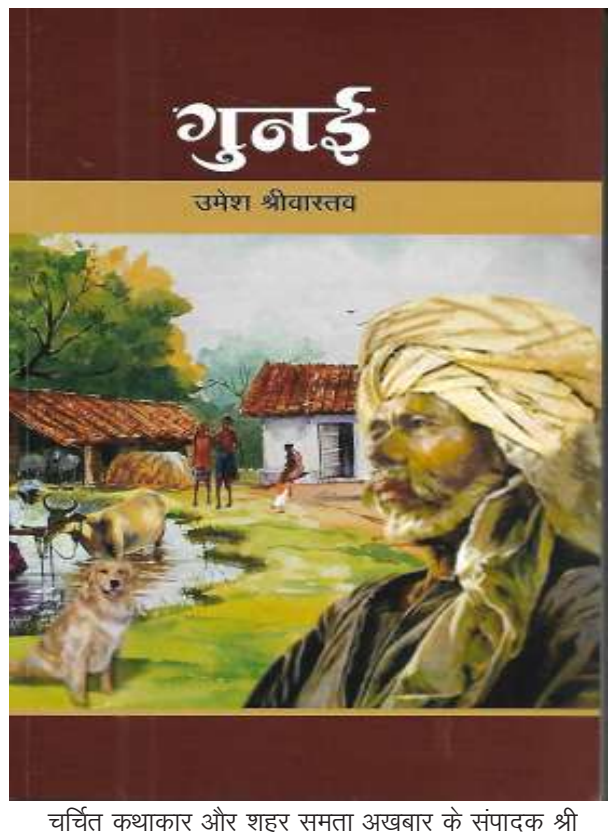

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

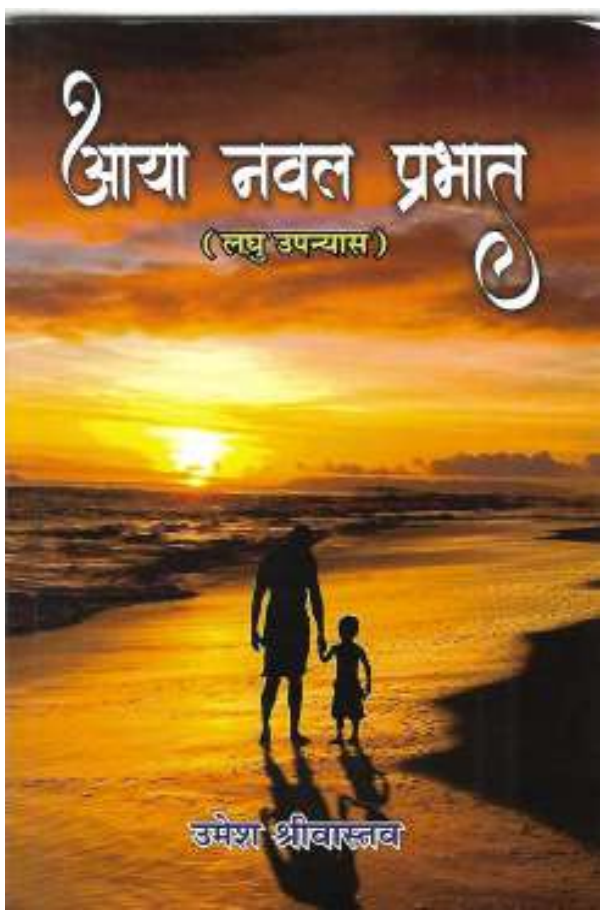

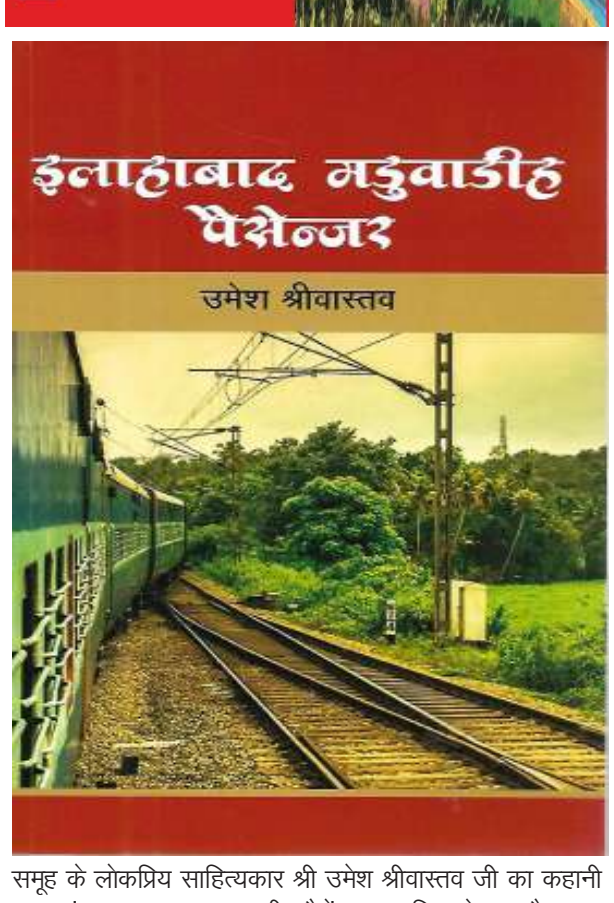

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

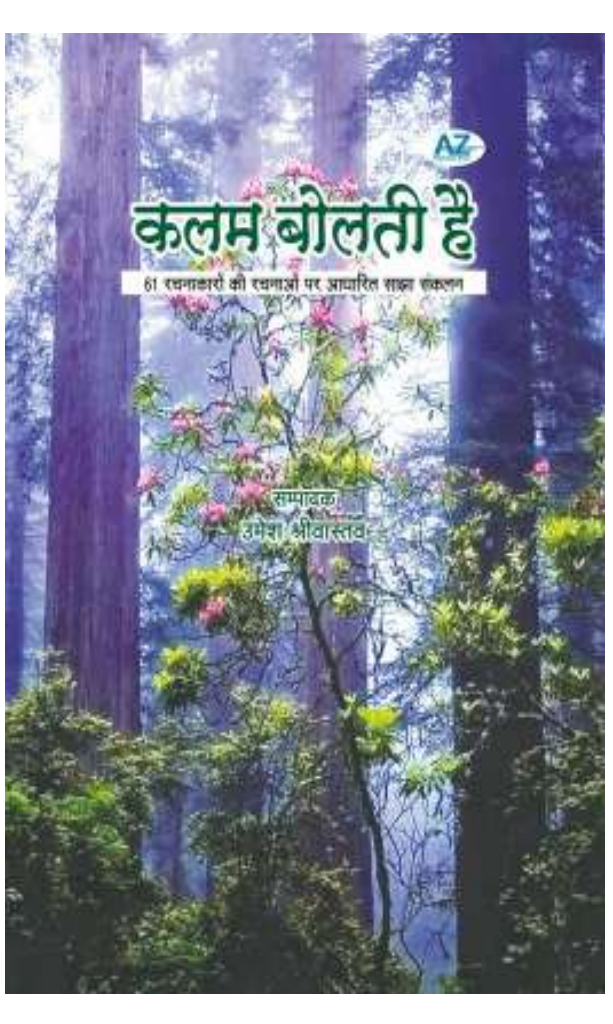

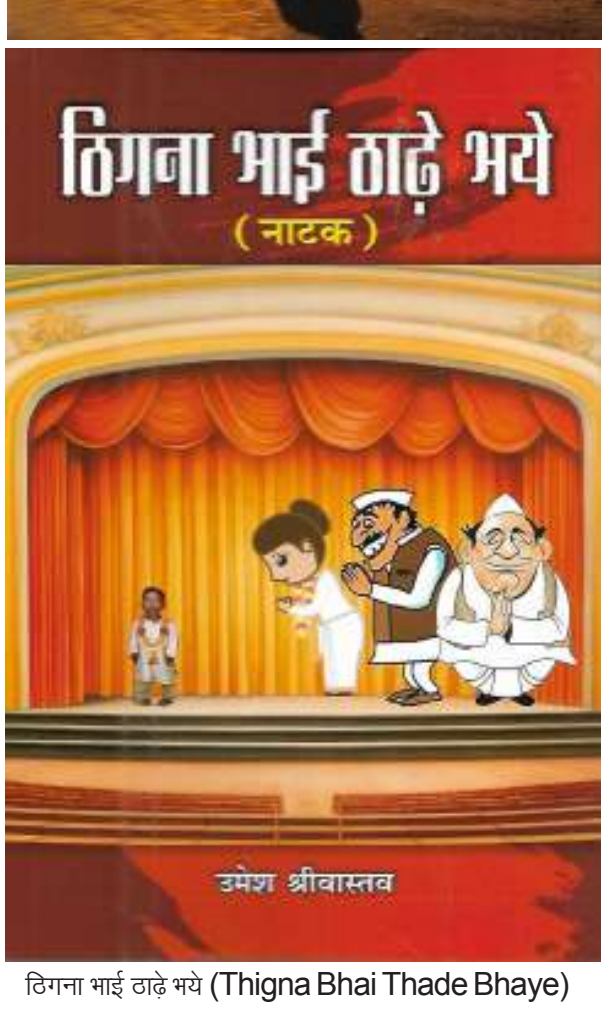

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ईरानी संसद के स्पीकर की दो-टूक, अब धौंस जमाने और जबरन वसूली का दौर नहीं, अमेरिका पर क्या आरोप लगाए?

तेहरान , एजेंसी। क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के बीच, ईरान के शीर्ष वार्ताकार और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने

वाशिंगटन पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से द्विपक्षीय समझौतों के कई उल्लंघनों का विस्तृत विवरण दिया है। एक्स पोस्ट में, वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने अमेरिकी प्रशासन की ओर से किए गए समझौता ज्ञापन के कई प्रमुख उल्लंघनों को गिनाया, जो दोनों देशों के बीच राजनयिक प्रतिबद्धताओं में गंभीर दरार का संकेत देता है। संसद अध्यक्ष के अनुसार, इन अमेरिकी कार्रवाइयों में श्जलडमरूमध्य में ईरानी समायोजन का उल्लंघनश, श्आगे और हमलों की लगातार धमकियांश, श्तेल प्रतिबंधों को फिर से लागू करनाश, श्दक्षिणी ईरान पर हमलेश और लेबनान में श्जायोनी आक्रामकता का जारी रहनाश शामिल हैं। वसूली का युग समाप्त गालिबाफ ने आगे कहा श्धमकी और जबरन वसूली का युग समाप्त हो गया है। इससे कुछ हासिल नहीं होता। श्हम झुकेंगे नहीं।श तेहरान की यह तीखी बयानबाजी वाली जवाबी प्रतिक्रिया, समुद्री क्षेत्र में हुई ताजा घटनाओं के बाद अमेरिका द्वारा ईरानी ठिकानों के खिलाफ व्यापक सैन्य अभियान शुरू करने के साथ, शत्रुता में नाटकीय वृद्धि की सीधी प्रतिक्रिया है। 7 जुलाई को क्या हुआ? भारी बमबारी के परिचालन संबंधी विवरण प्रदान करते हुए, अमेरिकी केंद्रीय कमान (CENTCOM) ने पुष्टि की कि उसने 7 जुलाई को जवाबी हमलों की एक श्रृंखला को अंजाम दिया, जिसमें ईरान के अंदर 80 से अधिक सैन्य ठिकानों पर सटीक निर्देशित गोला–बारूद से हमला किया गया। इन अभियानों का उद्देश्य क्या? रक्षा अधिकारियों के अनुसार, इन लक्षित अभियानों का मुख्य उद्देश्य तेहरान की समुद्री आक्रमण क्षमताओं को नष्ट करना था। कई घंटों तक चले इस अभियान के दौरान जिन लक्ष्यों को नष्ट किया गया उनमें कमान और नियंत्रण नेटवर्क, वायु रक्षा तंत्र, तटीय रडार प्रतिष्ठान, जहाज–रोधी मिसाइल स्थल और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) की 60 से अधिक छोटी नौकाएं शामिल थीं। रक्षा प्रतिष्ठान ने दावा किया कि इस विशाल अभियान का प्राथमिक उद्देश्य आर्थिक गलियारे में व्यापारिक जहाजों के खिलाफ और अधिक व्यवधान पैदा करने की तेहरान की क्षमता को व्यवस्थित रूप से कमजोर करना था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर समुद्री सुरक्षा उल्लंघन की गंभीरता का विस्तार से वर्णन करते हुए CENTCOM ने कहा, श्अमेरिकी हमले होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे तीन वाणिज्यिक जहाजों पर ईरानी हमलों के जवाब में किए गए हैं। ईरान की यह आक्रामकता अनुचित, खतरनाक और युद्धविराम का स्पष्ट उल्लंघन है। अहम बात यह है कि नया तैनाती जून के अंत के बाद से ईरान को लक्षित करने वाली पहली प्रत्यक्ष अमेरिकी सैन्य कार्रवाई है, जब तीव्र हमलों और जवाबी हमलों के एक संक्षिप्त दौर के बाद द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत शत्रुता का अस्थायी विराम हुआ था।

यूएस में सतिंदरजीत सिंह पर 50 हजार डॉलर का इनाम, लॉरेंस से तार जुड़े होने के आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संघीय जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने बुधवार को गैंगस्टर सतिंदरजीत सिंह, उर्फ श्गोल्डी बरारश की गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी के लिए 50,000 अमेरिकी डॉलर तक के इनाम की घोषणा की। गोल्डी

बरार पर लॉरेंस बिश्नोई ऑर्गनाइज्ड क्राइम ग्रुप में शामिल होने का आरोप है और वह कई मामलों में वांछित है। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में इनाम की घोषणा करते हुए, संघीय जांच एजेंसी ने कहा, श्थ्ठ्प सतिंदरजीत सिंह की गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी के लिए 50,000 डॉलर तक का इनाम दे रही है। सिंह लॉरेंस बिश्नोई ऑर्गनाइज्ड क्राइम ग्रुप में कथित तौर पर शामिल होने के कारण वांछित है। यह ग्रुप दक्षिणी कैलिफोर्निया और पूरे अमेरिका और कनाडा में कई हिंसक गतिविधियों में शामिल रहा है।श थ्ठ्प के अनुसार, गोल्डी बरार अमेरिका में रहता है और कथित तौर पर उत्तरी अमेरिका में लॉरेंस बिश्नोई ऑर्गनाइज्ड क्राइम ग्रुप के कामकाज का लीडर है। गोल्डी पर क्या है आरोप? एक बयान में, फेडरल एजेंसी ने कहा, श1 जुलाई, 2026 को, लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया की अमेरिकी जिला अदालत में सिंह के लिए एक फेडरल गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। उस पर रैकेटीयर इन्फ्लुएंस्ड एंड करप्ट ऑर्गनाइजेशन्स (त्प्ब्ब्) साजिशय जबरन वसूली के जरिए व्यापार में बाधा डालने की साजिश और बाधा डालने की कोशिशय और नशीले पदार्थों को बांटने और बांटने के इरादे से अपने पास रखने की साजिश के आरोप लगाए गए थे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

क्या फिर गहराएगा ऊर्जा संकट: यूएस का ईरान को बड़ा झटका, तेल बिक्री की अनुमति देने वाला लाइसेंस किया रद्द

दुबई , एजेंसी। अमेरिका ने ईरानी तेल की बिक्री की अनुमति देने वाला लाइसेंस रद्द कर दिया है। अमेरिकी वित्त विभाग ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। वित्त विभाग ने पिछले महीने 60 दिनों के लिए यह लाइसेंस जारी किया था। दोनों देशों के बीच संघर्ष खत्म करने के लिए हुए अंतरिम समझौते के तहत ईरानी तेल पर लगे प्रतिबंधों में यह छूट दी गई थी। हालांकि, वित्त विभाग के अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि लाइसेंस किस वजह से रद्द किया गया। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब ब्रिटिश सेना ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन तेल टैंकरों पर ड्रोन हमला किया गया। यह हाल के दिनों में इस अहम समुद्री मार्ग से गुजर रहे जहाजों पर हुआ ताजा हमला है। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण मार्ग है। अमेरिका–ईरान समझौते पर क्यों मंडराया खतरा?

पश्चिम एशिया में शांति बनाए रखने के उद्देश्य से अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए बातचीत भी जारी है। हालांकि, अमेरिका के इस फैसले के बाद ईरान के साथ हुए उसके हालिया समझौते पर संशय के बादल मंडराने लगे हैं। यह समझौता कितने दिन तक कायम रहेगा, इसे लेकर असमंजस बरकरार है। इसकी एक अहम वजह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के बीच जारी तीखी बयानबाजी है। सोमवार को ट्रंप ने ऐसा ही कुछ कहा, जिसका जवाब ईरान की ओर से आया। ईरानी विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने स्पष्ट किया कि धमकियों से काम नहीं चलेगा। अगर धमकियों का सिलसिला जारी रहा, तो अंतिम समझौते पर बातचीत शुरू नहीं होगीश अब्बास अराघची ने कहा कि अगर धमकियों का सिलसिला जारी रहा, तो अंतिम समझौते पर बातचीत शुरू नहीं होगी। उन्होंने इस संबंध में अमेरिका के साथ हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के पैराग्राफ 13 का हवाला दिया। अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा,श्लाखों गौरवान्वित ईरानीष सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए एकत्र हो रहे हैं। उन्होंने कहा, श्न तो ईरानी जनता और न ही हमारी बहादुर सशस्त्र सेनाएं किसी भी तरह की धमकियों से प्रभावित होंगी। अपने हस्ताक्षर का सम्मान करें।ष अराघची की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका या तो ईरान के साथ समझौता करेगा या फिर ष्काम तमाम करेगा। डील होगी या होगा काम तमाम रूट्रंप ट्रंप के मुताबिक या तो डील होगी या ईरान का काम तमाम होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति के मुताबिक उन्हें ईरान के साथ फिर जंग नहीं चाहिए वे सैन्य कार्रवाई नहीं चाहते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, ष्मैं तो ईरान के साथ डील करना चाहूंगाय मैं नहीं चाहता कि 91 मिलियन लोगों की जिंदगी प्रभावित हो। हम अगर चाहें तो एक घंटे में इनके ब्रिज उड़ा सकते हैं। हम इनकी एनर्जी सप्लाई ध वस्त कर देंगे। इनके पास कभी बहुत पैसा होता था, लेकिन अब कुछ नहीं है। हमने इन्हें एक पैसा नहीं दिया है। ईरान ने की अमेरिकी कार्रवाई की निंदा वहीं मामले को लेकर, ईरान के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को अमेरिका के उस फैसले की कड़ी निंदा की है, जिसमें ईरानी तेल की बिक्री पर लगे प्रतिबंधों की अस्थायी छूट को रद्द कर दिया गया है। ईरान ने इसे 18 जून को हुए इस्लामाबाद समझौते (एमओयू) की धारा 10 का स्पष्ट उल्लंघन बताया है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका का यह कदम वादे को तोड़ने जैसा है और इसके परिणामों के लिए अमेरिकी सरकार जिम्मेदार होगी। ईरान ने दावा किया कि उसने समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरी ईमानदारी से निभाया है, जबकि अमेरिका ने अपने वादों का उल्लंघन किया है। ईरान ने चेतावनी दी कि वह अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। इस बीच, अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमलों के जवाब में ईरान पर सैन्य हमले शुरू कर दिए हैं। इसके बाद दक्षिणी ईरान के सिरिक, केश्म और बंदर अब्बास में कई धमाके सुने गए हैं। इससे पहले अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने ईरान को तेल बेचने के लिए दी गई अस्थायी छूट का लाइसेंस रद्द कर दिया था।

'मैं तो इनकी परीक्षा ले रहा था', ईरान संकट पर नाटो के रवैये से क्यों नाराज हुए ट्रंप ?

ईरान को लेकर हुए हालिया सैन्य अभियान के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो सहयोगियों के रवैये पर खुलकर नाराजगी जताई है। ट्रंप ने कहा कि वह इस पूरे घटनाक्रम के दौरान सहयोगी देशों की परीक्षा ले रहे थे कि संकट की घड़ी में कौन अमेरिका के साथ खड़ा होता है। उनका कहना है कि नाटो के कई देशों ने जिस तरह का रुख अपनाया, उससे वह बेहद निराश हैं। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब तुर्किये की राजधानी अंकारा में नाटो नेताओं का शिखर सम्मेलन आयोजित हो रहा है। ट्रंप ने तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोआन के साथ बैठक के दौरान पत्रकारों से कहा कि उन्हें किसी सैन्य मदद की जरूरत नहीं थी, लेकिन वह यह देखना चाहते थे कि अमेरिका के सहयोगी कितने भरोसेमंद हैं। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका लंबे समय से अपने सहयोगियों की सुरक्षा में बड़ी भूमिका निभाता रहा है, लेकिन अब यह सवाल उठता है कि जरूरत पड़ने पर क्या वही देश अमेरिका के लिए भी खड़े होंगे। ट्रंप के इस बयान ने नाटो के भीतर एकजुटता और आपसी भरोसे पर नई बहस छेड़ दी है। क्या नाटो के रवैये से ट्रंप क्यों

हुए नाराज?

ट्रंप ने कहा कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान के दौरान कुछ सहयोगी देशों ने अमेरिका को पूरा समर्थन नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ देशों ने अमेरिकी हमलों के लिए अपने हवाई अड्डों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी। इसके अलावा होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा के लिए भी कई सहयोगी देशों ने सैन्य संसाधन भेजने से इनकार कर दिया। ट्रंप का कहना है कि इसी वजह से उन्हें लगा कि नाटो के सभी सदस्य संकट की घड़ी में समान रूप से साथ नहीं देते। उन्होंने कहा, ष्मैं लोगों की परीक्षा ले रहा था और मैं नाटो से बहुत निराश हूं।ष इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी से रिश्तों में क्यों आई खटास?

ट्रंप ने इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी का नाम लेते हुए कहा कि उन्होंने अमेरिका की रणनीति का समर्थन नहीं किया। ट्रंप के मुताबिक, मेलोनी ने होर्मुज जलडमरूमध्य और ईरान से जुड़े अभियान में शामिल होने से इनकार कर दिया, जिससे दोनों नेताओं के रिश्तों में कुछ दूरी आई। हालांकि ट्रंप ने यह भी कहा कि वह मेलोनी को व्यक्तिगत रूप से पसंद करते हैं और उन्हें अच्छा इंसान मानते हैं, लेकिन इस मामले में उन्होंने गलत फैसला लिया। ट्रंप ने यह भी कहा कि यूरोप के कई देश खाड़ी क्षेत्र के तेल पर निर्भर हैं, जबकि अमेरिका के पास पर्याप्त तेल संसाधन हैं और उसे होर्मुज पर अपनी जरूरतों के लिए निर्भर नहीं रहना पड़ता। ट्रंप ने तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोआन की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें ईरान और पूरे क्षेत्र की स्थिति की अच्छी समझ है। उन्होंने कहा कि तुर्किये ने तनाव कम करने के प्रयासों में रचनात्मक भूमिका निभाई है। ट्रंप ने यह भी कहा कि तुर्किये के पास मजबूत सैन्य क्षमता होने के बावजूद उसने सीधे सैन्य संघर्ष में शामिल होने का फैसला नहीं किया।

ट्रंप के अनुसार, अमेरिका का उद्देश्य व्यापक युद्ध छेड़ना नहीं था, बल्कि ईरान की परमाणु क्षमता को रोकने के लिए सीमित सैन्य अभियान चलाना था। उन्होंने विश्वास जताया कि एर्दोआन भी नहीं चाहते कि ईरान परमाणु हथियार हासिल करे। ट्रंप के बयान से साफ संकेत मिलता है ।

कि वह नाटो की सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पहले से अधिक संदेह में हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका वर्षों से अपने सहयोगियों की रक्षा करता आया है, लेकिन हालिया घटनाओं ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या सभी सहयोगी समान जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं। अंकारा में चल रहे नाटो शिखर सम्मेलन में मध्य पूर्व की स्थिति, ईरान संकट और सदस्य देशों के बीच रक्षा जिम्मेदारियों का मुद्दा प्रमुख एजेंडा बना हुआ है। ट्रंप की टिप्पणी से यह भी संकेत मिला है कि आने वाले समय में अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के संबंधों पर इस बहस का असर पड़ सकता है।

क्या खत्म होगी रूस–यूक्रेन जंग?: नाटो समिट में ट्रंप बोले– पुतिन और जेलेंस्की दोनों चाहते हैं समाधान

अंकारा, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच शांति समझौते की संभावनाओं को लेकर सकारात्मक उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष को लेकर उनके आकलन में कोई बदलाव नहीं आया है। तुर्की की राजधानी अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के साथ बातचीत करते हुए ट्रंप ने यह बयान दिया। ट्रंप ने बताया कि एक दिन पहले उनकी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई थी। इसके अलावा उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से भी बात की है। ट्रंप ने कहा, मुझे लगता है कि वे दोनों ही समझौता करना चाहते हैं। यह बहुत दुखद है कि इसमें इतना लंबा समय लगा, लेकिन मुझे लगता है कि जल्द ही कुछ सकारात्मक परिणाम सामने आएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह मामला जल्द ही सुलझ जाएगा। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या पुतिन के किसी समझौते के लिए तैयार होने जैसी कोई बात हुई है जिससे वह इतने आशावादी दिख रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि उनके विचारों में कभी कोई बदलाव नहीं आया है। ट्रंप ने कहा कि वह केवल लोगों को मरते हुए नहीं देखना चाहते। उन्होंने युद्ध के मैदान की तस्वीरों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां बड़े पैमाने पर हिंसा हो रही है। लोग विश्वास नहीं करेंगे कि यह कितनी हिंसक है। उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा है, यह एक नरसंहार है और इसे रुकना चाहिए। ट्रंप ने यह भी कहा कि इस संघर्ष का सीध ा असर अमेरिका के मुकाबले यूरोप पर अधिक पड़ता है। उन्होंने कहा, यह हमें सीधे प्रभावित नहीं करता क्योंकि हमारे बीच एक महासागर है। हम वहां यूरोप की मदद के लिए हैं, लेकिन यह अमेरिका को प्रभावित नहीं करता। फिर भी, वहां जो कुछ हो रहा है, उसे देखना मेरे लिए असहनीय है। दूसरी ओर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने भी नाटो शिखर सम्मेलन में यूरोपीय सहयोगियों से एंटी–बैलिस्टिक मिसाइल प्रणालियों के उत्पादन को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। जेलेंस्की ने कहा कि यूरोप को रूस की मिसाइल क्षमताओं के खिलाफ अपनी सुरक्षा मजबूत करनी होगी। उन्होंने इसे रूस का आखिरी सबसे बड़ा फायदा बताया। जेलेंस्की ने कहा कि फरवरी 2022 में रूस के हमले के बाद से रूसी बैलिस्टिक मिसाइलों ने यूक्रेन की राजधानी कीव को बार–बार निशाना बनाया है और कई नागरिकों की जान ली है।

क्या है ऑपरेशन हार्ड बॉल?: लॉरेंस-गोल्डी गैंग पर बड़ी कार्रवाई, अमेरिका-कनाडा-यूरोप में 24 गुर्गे गिरफ्तार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका, कनाडा और यूरोप में लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ समेत भारतीय अपराधियों के तीन गिरोहों

के खिलाफ अभियान में 24 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से बिश्नोई–बराड़ गिरोह पर खालिस्तान समर्थक आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की 2023 में हुई हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। छापे में करीब 1,000 किलोग्राम कोकीन, एक किलोग्राम हेरोइन, 40,000 डॉलर नकद और करीब एक दर्जन हथियार जब्त किए। एफबीआई, लॉस एंजिल्स पुलिस, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस और कई अन्य देशों की सुरक्षा एजेंसियों ने अभियान में समन्वित कार्रवाई की। अभियान को ऑपरेशन हार्ड बॉल नाम दिया गया। बिश्नोई गैंग समेत किन गिरोहों पर की गई कार्रवाई? अमेरिकी अधिकारियों ने तीनों गिरोहों के खिलाफ तीन आरोपपत्र दायर किए हैं, जिनमें कुल 37 लोगों को आरोपी बनाया है। अधिकारियों ने बताया कि कैलिफोर्निया में 11 गिरफ्तारियां हुईं, जबकि बाकी गिरफ्तारियां इंडियाना, जॉर्जिया, कनाडा और स्पेन में हुईं। दस आरोपी अब भी फरार हैं। बिश्नोई–बराड़ के अलावा जग्गू भगवानपुरिया और रविंदर सिंह ढांडा गिरोहों को भी निशाना बनाया। जून, 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में दो बंदूकधारियों ने निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी थी। लॉरेंस बिश्नोई के प्रतिद्वंद्वी जग्गू भगवानपुरिया सिंडिकेट पर पैसे लेकर हत्या करने और ड्रग्स की तस्करी करने के आरोप हैं। कनाडा में रहने वाले रविंदर सिंह ढांडा के नेतृत्व वाले तीसरे नेटवर्क पर आरोप है कि वह ट्रकों के जरिये हर हफ्ते कैलिफोर्निया से कनाडा में सैकड़ों किलो कोकीन, मेथामफेटामाइन की तस्करी करते थे। अभियान में सबसे अहम घटनाक्रम लॉरेंस गैंग के खिलाफ की गई कार्रवाई है। बिश्नोई भारत की जेल में बंद है और उस पर निज्जर की हत्या का आदेश देने का आरोप लगाया गया है। अमेरिकी आरोप–पत्र के अनुसार, बिश्नोई और उसके अमेरिकी सहयोगी सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ ने इस हत्या का निर्देश दिया था। 18 जून, 2023 को सरे, ब्रिटिश कोलंबिया में दो बंदूक धारियों ने 45 वर्षीय निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी थी। खालिस्तान समर्थक चरमपंथ को लेकर भारत–कनाडा के बीच बढ़ते तनाव के बीच कनाडाई अधिकारी लंबे समय से इस हत्या की जांच कर रहे थे। कैलिफोर्निया के केंद्रीय जिले के अटॉर्नी कार्यालय ने कहा कि आरोप–पत्र में जिन अपराधों का जिक्र है, उनमें भारत के पंजाब के एक प्रमुख राजनीतिक और धार्मिक नेता की हत्या भी शामिल है। अटॉर्नी कार्यालय के दस्तावेजों में उसकी पहचान निज्जर के तौर पर की गई है। कनाडा ने सितंबर, 2025 में बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित किया था। इस गैंग पर कैलिफोर्निया और कनाडा में लोगों से जबरन वसूली करने, लॉस एंजिल्स इलाके में प्रतिद्वंद्वियों से सैकड़ों किलोग्राम कोकीन चुराने और भारतीय मूल के मशहूर लोगों को धमकाने के आरोप भी हैं। एक मामले में, बिश्नोई ने कनाडा में रहने वाले एक भारतीय मूल के एक्टर और सिंगर के घर पर हुई गोलीबारी की जिम्मेदारी ली थी। भारतीय समुदाय में डर व हिंसा फैला रहे थे ये गिरोह अमेरिकी अधिकारियों ने बताया, ये गिरोह भारतीय समुदाय के लोगों में डर और हिंसा फैला रहे हैं। फर्स्ट असिस्टेंट अमेरिकी अटॉर्नी बिल एसेली ने कहा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपराध करने वाले गिरोहों को कानून का सामना करना होगा।

महासागरों में घुटा ऑक्सीजन का दम: फिर भड़की जंगल की आग, 37 करोड़ वर्ष पुराने रहस्य ने बदली विलुप्ति की कहानी

वॉशिंगटन, एजेंसी। करीब 37 करोड़ वर्ष पहले पृथ्वी पर हुई सबसे बड़ी जैविक त्रासदियों में से एक की कहानी अब नए सिरे से लिखी जा रही है। अमेरिका के अलाबामा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के ताजा अध्ययन से पता चला है कि उस दौर में समुद्रों में ऑक्सीजन की कमी पहले शुरू हुई थी, जबकि जंगलों में भीषण आग बाद में बढ़ी। यह निष्कर्ष उस लंबे समय से चली आ रही वैज्ञानिक धारणा को चुनौती देता है, जिसमें माना जाता था कि बड़े पैमाने पर लगी वनाग्नियों ने समुद्री जीवन के विनाश की शुरुआत की थी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।